भारत तेजी से विकास करने वाला देश है और इसे यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि आर्थिक विकास न्यायसंगत समान रूप से वितरित और टिकाऊ हो। ताकि स्थानीय बाजारों पर प्रभाव कम से कम हो और आगामी प्रतिस्पर्धा स्थानीय उत्पादकों को अपने मानकों में सुधार करने की अनुमति दे।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः205 दिनांकः06-07-2024 शनिवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज द्वारा ऺ इउ नई परीक्षा तिथि की घोषणा कर दी है। परीक्षा अब 11 अगस्त को होगी। परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। एसओपी और प्रोटोकॉल की समीक्षा के बाद नीट पीजी की नई तारीख का ऐलान किया गया है।

नीट मामले पर केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट, कहा

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एनटीए पूरी नीट परीक्षा रद्द कर रीएग्जाम कराने के पक्ष में नहीं है। साथ ही ये भी कहा कि परीक्षा में ऐसी बड़े स्तर की गड़बड़ी नहीं हुई है जिससे 24 लाख स्टूडेंट्स प्रभावित हुए हों। इससे पहले गुरुवार को रीनीट के खिलाफ गुजरात के 56 स्टूडेंट्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल, देश में नीट कैंसिल करने को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी एग्जाम कैंसिल करने को लेकर याचिकाएं दायर की गई हैं।

इस बीच याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से रीनीट जैसा कोई भी फैसला न सुनाने की अपील की है। इन स्टूडेंट्स का कहना है कि ज्यादातर स्टूडेंट्स ने दो साल की कड़ी मेहनत और 100 प्रतिशत लगन के साथ एग्जाम दिया था। ऐसे में एग्जाम कैंसिल करने का फैसला स्टूडेंट्स के हित में नहीं होगा और ये उनके मौलिक अधिकार - आर्टिकल 14 का उल्लंघन है। एग्जाम कैंसिल करने की जगह ओएमआर शीट का रिइवैल्यूएशन बेहतर विकल्प है। दोषियों को कड़ी सजा हो, लेकिन एग्जाम कैंसिल न किया जाए।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने नीट एग्जाम के रिजल्ट को कैंसिल करने और काउंसलिंग पर रोक लगाने वाली याचिका पर सुनवाई की। हालांकि, एग्जाम कैंसिल करने की याचिका को 15 जुलाई के लिए लिस्ट कर दिया गया है। जस्टिस दीपक सिब्बल और जस्टिस दीपक मनचंदा की बेंच ने कहा कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। नीट मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के खिलाफ देश के 7 हाईकोर्ट्स और सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई हैं। हालांकि, एनटीए की सिफारिश के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता, बॉम्बे और राजस्थान हाईकोर्ट में नीट से जुड़ी किसी भी याचिका पर सुनवाई से रोक लगा दी है। नीट-पीजी परीक्षा 11 अगस्त को

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने नीट पीजी एग्जाम की शुक्रवार को नई डेट जारी कर दी है। ये एग्जाम अब 11 अगस्त को ऑनलाइन मोड में दो शिफ्ट में होगा। पहले यह परीक्षा 23 जून को होनी थी, लेकिन गड़बड़ी की आशंका की वजह से इसे 12 घंटे पहले कैंसिल कर दिया गया। पेपर लीक और कोई गड़बड़ी ना हो इसके लिए नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस अब 11 अगस्त को एग्जाम के 2 घंटे पहले पेपर तैयार करेगा।

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन फॉर मेडिकल साइंसेज ने नीट पीजी एग्जाम के पैटर्न में बदलाव किया है। एग्जाम में 200 एमसीक्यू टाइप सवाल पूछे जाते हैं। अब हर सवाल को सॉल्व करने के लिए कुछ मिनटों का फिक्स टाइम ही मिलेगा। इसका मतलब ये है कि किसी सवाल को सॉल्व करने के लिए कोई कैंडिडेट कितना समय दे सकता है ये पहले से ऑटोमैटिक मोड पर सेट होगा। 2024 से ही नए पैटर्न पर एग्जाम होगा। नीट पीजी एग्जाम में हर सही जवाब के लिए 4 मार्क्स मिलते हैं और गलत जवाब के लिए 1 मार्क की नेगेटिव मार्किंग होती है।

ब्रिटेन के 58वें प्रधानमंत्री बनें कीर स्टार्मर

14 साल वनवास के बाद लेबर पार्टी की सत्ता वापसी; सुनक ने पत्नी संग 10 डाउनिंग स्ट्रीट छोड़ी

लंदन(ईएमएस)। ब्रिटेन में शुक्रवार को सत्ता बदल गई। सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी 14 साल बाद लेबर पार्टी से चुनाव हार गई। इसके कुछ घंटे बाद भारतवंशी ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। लेबर पार्टी के 61 साल के कीर स्टार्मर देश के 58वें प्रधानमंत्री बन गए हैं।

सुनक ने हार स्वीकार कर पार्टी से माफी मांगी है। उन्होंने स्टार्मर को भी फोन कर जीत की बधाई दी। आम चुनाव में लेबर पार्टी को बंपर जीत मिली है। पार्टी ने कुल 650 सीटों में से 412 जीत दर्ज की है। सरकार बनाने के लिए 326 सीटों की जरूरत होती है। उधर कंजर्वेटिव 120 सीटों पर सिमट गई। यह कंजर्वेटिव पार्टी की पिछले 200 सालों में सबसे बड़ी हार है।

मैं सुनक की मेहनत को सलाम करता हूं

कीर स्टार्मर ने कहा है कि मैं अभी बकिंघम प्लेस से लौटा हूं। मैंने इस महान देश की सरकार बनाने के लिए किंग के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। मैं ऋषि सुनक को उनके पहले एशियन मूल के पीएम बनने के लिए धन्यवाद देता हूं। उसके लिए जो उन्होंने अतिरिक्त मेहनत की है, उसे नकारना नहीं चाहते। हम उनकी मेहनत को सलाम करते हैं।

11 अगस्त को दो शिफ्टों में होगी.........नीट पीजी परीक्षा, परीक्षा वाले दिन डिजिटल जनरेट होगा पेपर

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) ने नीट पीजी परीक्षा की नई तिथि की घोषणा की है। नीट पीजी परीक्षा अब 11 अगस्त 2024 को दो शिफ्टों में होगी। पहले नीट पीजी परीक्षा का आयोजन 23 जून 2024 को होना था लेकिन पेपर लीक विवाद के बाद स्थगित कर दिया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट यूजी और यूजीसी नेट पेपर लीक से उपजे विवाद और हंगामे के बीच परीक्षा से एक दिन पहले नीट पीजी स्थगित करने का फैसला लिया था।

बता दें कि मास्टर ऑफ सर्जरी, डॉक्टर ऑफ मेडिसिन और पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए की जाती है। परीक्षा में केवल वही अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं जिनके पास एमबीबीएस की डिग्री या मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त प्रोविजनल एमबीबीएस पास सर्टिफिकेट है।

2 घंटे पहले सेट होगा पेपर

नीट पीजी परीक्षा पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ कराने के लिए एनबीईएमएस ने कड़े इंतजाम किए हैं। नीट पीजी परीक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय में हुई अहम बैठक में फैसला लिया गया कि परीक्षा से महज दो घंटे पहले प्रश्न पत्र सेट होगा। नीटी पीजी की निगरानी इस बार गृह मंत्रालय करेगा। पेपर लीक की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। बताया जा रहा है कि जिस दिन परीक्षा होगी, उसी दिन सुबह क्वेश्चन पेपर डिजिटली जनरेट होगा। इस बैठक में हेल्थ मिनिस्ट्री के अधिकारी, नेशनल बोर्ड ऑफ मेडिकल साइंसेस, तकनीकी सहयोगी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस और साइबर सेल के अधिकारी शामिल हुए थे।

नीट पीजी परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड मोड में ऑनलाइन होगी। यह परीक्षा 3 घंटे 30 मिनट की होगी। नीट पीजी परीक्षा के 3 सेक्शन होगा। परीक्षा में 800 अंकों के लिए कुल 200 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए जाएंगे। उम्मीदवारों को प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक और गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा।

कहीं भूस्खलन तो कहीं भारी बारिश... हिमाचल में 77 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से 77 सड़कें बाधित हो गई। इसके साथ ही बारिश की वजह से 236 बिजली आपूर्ति योजनाएं और 19 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन हुआ। इस वजह से प्रदेश में 77 सड़कें बंद हो गई। वहीं 236 ट्रांसफार्मर भी ठप पड़े हैं। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। भारी बारिश को देखते हुए लोगों को भी बाहर आने-जाने में दिक्कत हो रही है। प्रशासन ने भी हिमाचल की जनता को पहले ही चेतावनी दे दी है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को नदी और नालों से दूर रहने के लिए बोला है। बरसात के बाधित होने वाली अधिकांश सड़कें माडी जिले में हैं। यहां करीब 67 सड़कें बंद की गई हैं। चंबा जिले में सात, कांगड़ा लाहौल और शिमला में एक-एक सड़क अवरुद्ध है।

अधिकारियों के अनुसार लाहौल में जिंगजिंगबार के पास बाढ़ के कारण दारचा को सरचू से जोड़ने वाली सड़क बंद है। वहीं कांगड़ा में बारिश के कारण पुल बह जाने से रास्ता बंद हो गया है। नए पुल का निर्माण जुलाई तक होने की संभावना है। साथ ही मंडी में बिजली आपूर्ति में सबसे ज्यादा व्यवधान देखने को मिला है।

चेन्नई में बसपा प्रदेश अध्यक्ष की हत्या के बाद बवाल

चेन्नई। तमिलनाडु में शुक्रवार को बहुत बड़ी घटना हो गई। तमिलनाडु के बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की आज शाम हत्या कर दी गई। यह घटना चेन्नई के पेरांबूर में आर्मस्ट्रांग के घर के पास हुई, जिसमें 6 लोगों की अज्ञात भीड़ ने उनकी हत्या कर दी।

चेन्नई पुलिस ने बताया है कि पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं, घटना सेम्बियम पुलिस क्षेत्राधिकार में हुई है।

आर्मस्ट्रांग को गंभार हालत में प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि हमले के बाद सभी हमलावर मौके से फरार हो गए।

आर्मस्ट्रांग पेशे से वकील और राज्य में दलितों की आवाज के रूप में जाने जाते थे। वह पहले ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन में पार्षद रह चुके थे।

वहीं, बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आर्मस्ट्रांग की हत्या के विरोध में चेन्नई में प्रदर्शन करते हुए सड़कों को जाम कर दिया। बीएसपी कार्यकर्ता आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अदालत में केजरीवाल......मैं कोई घोषित अपराधी या आतंकवादी नहीं

सीबीआई को नोटिस, 17 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर हाई कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस देकर जवाब मांगा है। अब मामले में 17 जुलाई को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने अपने लिए राहत की मांग कर कहा कि वह कोई आतंकवादी नहीं हैं।

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच के सामने केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी ने दलीलें रखीं। सिंघवी ने कहा, मुझे ईडी केस में ट्रायल कोर्ट से बेल मिली और इसके बाद मुझे गिरफ्तार किया गया। मैं कोई घोषित अपराधी या आतंकवादी नहीं। मैं कुछ अंतरिम राहत मांग रहा हूं। इस पर सीबीआई के वकील एडवोकेट डीपी सिंह ने कहा, उन्होंने गिरफ्तारी को चुनौती दी है, यह पहले से पेंडिंग है। जमानत के लिए पहली अदालत ट्रायल कोर्ट होनी चाहिए।

हाई कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता ट्रायल कोर्ट गए बिना सीधे यहां आ गए हैं। इस दलील पर आगे विचार होगा। सीबीआई को एक सप्ताह में अपना जवाब देना है। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को न्यायिक हिरासत में रहते हुए गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें अदालत की अनुमति से तीन दिन रिमांड पर रखा गया।

हाथरस कांड की जांच रिपोर्ट एसआईटी ने सरकार को सौंपी

- जांच में डीएम-एसएसपी समेत 100 लोगों के बयान किए दर्ज

हाथरस,(ईएमएस)। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई है। इस हादसे की एसआईटी जांच रिपोर्ट शुक्रवार को सरकार को सौंप दी गई है। एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर के नेतृत्व में चल रही जांच में डीएम-एसएसपी सहित 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इस हादसे के बाद एसआईटी जांच का आदेश जारी किए गए थे।

एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ और मंडलायुक्त चैत्रा वी को एसआईटी का जिम्मा सौंपा था। 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की, जिसमें हादसे के मूल कारण, लापरवाही और अनदेखियों को उजागर करना है। यह रिपोर्ट बुधवार को ही देनी थी, लेकिन राहत और बचाव कार्य के चलते और बुधवार को मुख्यमंत्री के आने से जांच पूरी नहीं हो सकी थी। अधिकारियों ने तीन दिन का समय मांगा था। इसमें घटनास्थल पर तैनात एक-एक पुलिस और सभी विभागों के कर्मचारी-अधिकारी, प्रारंभिक सूचना वाले कर्मी, एंबुलेंस कर्मी, डॉक्टर, पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर, किसान, चश्मदीद, घायल, तहसील और जिला स्तर के अधिकारी, डीएम-एसपी आदि तमाम लोग शामिल हैं।

पीएम मोदी 8 से रुस-ऑस्ट्रिया दौरे पर, वार्षिक शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

-41 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेन्द्र मोदी रूस की दो दिवसीय यात्रा जाएंगे, जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की समीक्षा भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी 8-9 को रूस की यात्रा पर जा रहे हैं वह अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद ऑस्ट्रिया जाएंगे। जो 41 सालों में किसी भारत के पीएम की पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी की पिछली रुस यात्रा 2019 में हुई थी जब उन्होंने व्लादिवोस्तोक में एक आर्थिक सम्मेलन में शिरकत की थी।

वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर सर्वोच्च संस्थागत संवाद तंत्र है। अब तक भारत और रूस में बारी-बारी से 21 वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं।

पिछला शिखर सम्मेलन 6 दिसंबर 2021 को दिल्ली में हुआ था। इस शिखर सम्मेलन में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे। शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे और शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत-रूस साझेदारी शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया था।

मोदी और पुतिन ने पिछली बार 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की थी। बैठक में मोदी ने पुतिन पर यूक्रेन में संघर्ष समाप्त करने के लिए कहा था। पीएम मोदी ने कहा था कि मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का नहीं है। हमने इस मुद्दे पर कई बार फोन पर चर्चा की है कि लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद पूरे विश्व को प्रभावित करते हैं। रूस के साथ अपनी गहरी मित्रता को दर्शाते हुए भारत ने अब तक यूक्रेन पर मॉस्को के हमले की निंदा नहीं की है और वह यह कहता रहा है कि इस संकट का समाधान कूटनीति और बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए।

मोदी रूस की यात्रा खत्म करके ऑस्ट्रिया जाएंगे। वह 9-10 जुलाई को ऑस्ट्रिया में ही रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह 41 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। वह ऑस्ट्रिया गणराज्य के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन से मुलाकात करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि पीएम मोदी और चांसलर भारत और ऑस्ट्रिया के दिग्गज उद्यमियों को भी संबोधित करेंगे।

राजस्थान के 300 बच्चे विदेश में फ्री पढ़ेंगे

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के नियमों में भी संशोधन किया है। इसके बाद विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत 300 स्टूडेंट्स को विदेश में और 200 स्टूडेंट्स को देश (भारत) के ही नामी संस्थानों में पढ़ने भेजा जाएगा। उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ प्रेम बैरवा ने कोटा ओपन यूनिवर्सिटी में बताया- विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना का रिव्यू करने के बाद सरकार ने इसमें आंशिक संशोधन करने का फैसला किया है। इसके तहत अब 300 स्टूडेंट्स को ही विदेश में पढ़ने भेजा जाएगा। जबकि 200 स्टूडेंट्स को देश के ही नामी संस्थान में पढ़ाया जाएगा।

बिहार में 15 इंजीनियर सस्पेंड

पटना(ईएमएस)। बिहार में 17 दिन के भीतर एक के बाद एक 12 पुल गिरने के बाद सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। लगातार पुल गिरने की घटना सामने आने के बाद 15 इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने नए पुलों के पुनर्निर्माण का भी आदेश दिया है। राज्य जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नौ पुलों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली है। इनमें से छह बहुत पुराने हैं। तीन अन्य निर्माणाधीन हैं। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि इंजीनियर और ठेकेदार इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उडऩदस्ता टीम ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इंजीनियर इसे लेकर न तो सावधान थे और न ही निगरानी कर रहे थे। इस मामले में विभिन्न पदों के 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया गया है।

हाथरस हादसे के पीड़ितों से मिले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी

हाथरस (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी के हाथरस पहुंचे। जहां उन्होंने भगदड़ के पीड़ितों से मुलाकात की। वहीं राहुल गांधी के पीड़ितों के मिलने पर यूपी की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने राहुल गांधी पर हादसे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहाकि उन्हें किसी भी पीड़ित से कोई संवेदना नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अलीगढ़ के बाद हाथरस भगदड़ कांड के चार पीड़ित परिवारों से मिले। राहुल गांधी मृतक मुन्नी देवी और आशा देवी के साथ घायल माया देवी के परिवार से मुलाकात की। ये सभी हाथरस के नवीपुर खुर्द की रहने वाली हैं। माया देवी घायल हुई वो जिला अस्पताल में भर्ती हैं। उनके परिजनों को भी बुलाया गया था। ओमवती जिनकी मौत हुई है, उनके परिवार के लोगों को भी बुलाया गया है, उनके परिजनों को भी नवीपुर खुर्द के ग्रीन पार्क में बुलाया गया है।

वहीं दूसरी ओर मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बताया कि हाथरस कांड होने के बाद सबसे पहले सीएम योगी ने हाथरस पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकत की थी। सीएम ने घटनास्थल का भी मुआयना किया था। पीड़ितों को राहत राशि देने का उन्होंने ऐलान भी किया है। उसके बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों को भी अलग-अलग जगहों में पीड़ितों से मुलाकात करने के लिए भेजा था। मैं खुद आगरा पीड़ितों से मिलने गई थी। मेरा यह भी मानना है कि इतने बड़े आयोजन नहीं होना चाहिए। जहां जानमाल की हानि की आशंका हो।

विदित हो कि हाथरस हादसे मामले में अभी तक छह लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के आलाधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार लोगों से जब पूछताछ की गई तो मालूम चला है कि यह लोग आयोजन समिति में थे। पूर्व में भी यह कई आयोजन करा चुके हैं। इन लोगों का काम पंडाल का व्यवस्था करना भीड़ इकट्ठा करना होता है। पुलिस ने बताया कि वेद प्रकाश मधुकर के ऊपर एक लाख का इनाम रखा गया है। मुख्य आयोजक वेद प्रकाश मधुकर के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कराया जा रहा है।

इस बीच, सीएम योगी आदित्य नाथ ने डीजीपी प्रशांत कुमार से हाथरस मामले पर पूरी जानकारी ली। सीएम योगी को एसआईटी की 15 पन्नों की रिपोर्ट भी सौंपी गई है। सूत्रों का दावा है कि इस रिपोर्ट में राजनीतिक साजिश की तरफ़ इशारा किया गया है। कुछ स्थानीय नेताओं की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। साथ ही सेवादारों की भूमिका पर सवाल उठे हैं। आयोजकों की भूमिका पर सवाल किया गया है। रिपोर्ट में बाबा की सभा में संख्या का अनुमान नही लगा पाने को लेकर वहाँ तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी सवाल खड़े होने की खबर है।

सरकार भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा उत्पादन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्धः रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सरकार की विभिन्न नीतियों एवं पहलों के सफल कार्यान्वयन की सहायता से रक्षा मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि हासिल की है। रक्षा से संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू), रक्षा सामग्रियों का उत्पादन करने वाले अन्य सार्वजनिक उपक्रमों और निजी कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, देश में रक्षा उत्पादन का मूल्य रिकॉर्ड ऊंचाई तक बढ़कर यानी 1,26,887 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के रक्षा उत्पादन की तुलना में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट पर लिखा, कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम वर्ष-दर-वर्ष नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा उत्पादन केन्द्र के रूप में विकसित करने के सरकार के अटूट संकल्प को दोहराया।

वर्ष 2023-24 के दौरान उत्पादन के कुल मूल्य (वीओपी) में, डीपीएसयू/अन्य पीएसयू द्वारा लगभग 79.2 प्रतिशत और निजी क्षेत्र द्वारा 20.8 प्रतिशत का योगदान किया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्ण मूल्य के संदर्भ में, डीपीएसयू/पीएसयू और निजी क्षेत्र, दोनों ने रक्षा उत्पादन में लगातार वृद्धि दर्ज की है। राजनाथ ने रक्षा उत्पादन को सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर ले जाने के लिए डीपीएसयू, रक्षा सामग्रियों का उत्पादन करने वाले अन्य सार्वजनिक उपक्रमों और निजी उद्योग सहित संपूर्ण रक्षा उद्योग को बधाई दी।

कामों की लंबी सूची लेकर दिल्ली पहुंचे नायडू पीएम, गडकरी और शिवराज से की मुलाकात

नई दिल्ली (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू दो दिनों के दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान नायडू ने पीएम मोदी को एक लंबी डिमांड लिस्ट थमा दी। उन्होंने पीएम मोदी के सामने मांग रखी कि आंध्र प्रदेश के लिए अलग से बजट आवंटित करे। इसके अलावा अलग-अलग मंत्रालय भी अपनी परियोजनाओं में आंध्र प्रदेश को प्राथमिकता दें। इसके तहत उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई मंत्रियों से मुलाकात की।

केंद्र की एनडीए सरकार में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले नायडू इसका अहसास है कि आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता। इसके बाद उनकी मांग स्पेशल पैकेज पर आ गई है। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पीएम मोदी से आंध्र पर 13 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का मुद्दा उठाया। नायडू ने लंबी डिमांड लिस्ट रखते हुए कहा कि पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए भी मोदी सरकार रुके हुए फंड को जारी करे।

उनकी बड़ी मांग यह भी थी कि अमरावती को राजधानी के तौर पर तैयार करना है। उसके लिए फंड की कमी है। इसकारण मोदी सरकार की ओर से यदि मदद मिल जाए, तब यह काम तेजी से पूरा हो सकेगा। इसके अलावा राज्य में सड़कों, बांध, पुलों, सिंचाई परियोजनाओं के तेजी से विकास के लिए उन्होंने अलग से पैकेज की मांग की है।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद नायडू ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने हाईवेज के विकास के लिए फंड की मांग की। कई परियोजनाओं का खाका भी गडकरी के सामने पेश किया। यही नहीं इसके बाद उन्होंने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी बात की।

अवैध शराब त्रासदी के पीडित स्वतंत्रता सेनानी नहीं

10 लाख के मुआवजे के खिलाफ हाईकोर्ट में दलील

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में पिछले महीने जहरीली शराब पीने से करीब 56 लोगों की मौत हो गई थी। पूरे राज्य में इस त्रासदी को लेकर हाहाकार मच गया था। जहां भाजपा ने हंगामा करना शुरू कर दिया था। वहीं, बिगड़ते हालात को देखते हुए सीएम एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50 हजार का मुआवजा देने का एलान किया था। हालांकि, अब इस मुआवजे के आदेश को रद्द कराने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी की मुआवजा राशि पर चिंता जताते हुए मोहम्मद गौस ने जनहित याचिका दायर की। इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने कहा कि मुआवजे की राशि अधिक है। इस मामले पर आगे की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

अवैध शराब पीना गलत

गौस ने याचिका में कहा कि पीडित स्वतंत्रता सेनानी या सामाजिक कार्यकर्ता नहीं थे, जिन्होंने आम जनता या समाज के लिए अपनी जान गंवाई हो और जिन्होंने जहरीली शराब पीकर एक तरीके से गलत काम ही किया है। अवैध शराब पीना गलत ही था। राज्य को उन लोगों पर दया करने की जरूरत नहीं है, जिन्होंने अवैध शराब पी और अपनी जान गंवा दी। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब के शिकार लोगों को सिर्फ सांत्वना देनी जानी चाहिए। जिन्होंने अपनी खुशी के लिए गैरकानूनी काम किया है, उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अवैश शराब पीना गलत था। राज्य सरकार किस आधार पर आग या किसी अन्य दुर्घटना के पीडितों को कम मुआवजा दे रही है। जबकि जहरीली शराब त्रासदी के पीडितों को भारीभरकम राशि दे रही है।

2008 में जहरीली शराब से 180 लोगों की मौत हुई थी

तमिलनाडु में जहरीली शराब से पहले भी कई बार मौत की घटनाएं हुई हैं। तमिलनाडु के कृष्णागिरि और कर्नाटक के कोलार के सीमावर्ती गांवों में मई 2008 में जहरीली शराब से लगभग 180 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से 60 कृष्णागिरी जिले और बाकी कोलार और बेंगलुरु के थे। कई लोगों की आंखों की रोशनी भी चली गई थी। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में जहरीली शराब से साल 2020 में 20 और 2021 में छह मौतें हुईं। 2023 में राज्य के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में लगभग 22 लोगों की जहरीली शराब से मौत हो गई थी।

शिवसेना टकसाली नेता पर निहंगों ने किया जानलेवा हमला

पंजाब के लुधियाना में घटना

लुधियाना (ईएमएस)। पंजाब के लुधियाना में शिवसेना टकसाली नेता संदीप थापर उर्फ गोरा पर निहंगों ने जानलेवा हमला किया। जानकारी के मुताबिक तीन निहंगों ने अस्पताल के बाहर गोरा पर तलवार से कई वार किए और इसके बाद वे फरार हो गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के मुताबिक संदीप थापर सुबह संवेदना ट्रस्ट के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अस्पताल गए थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि स्कूटी से तीन लोग पहुंचते हैं। तभी एक आरोपी तलवार से संदीप थापर पर हमला करने लगता है। इसके बाद वह चार से पांच बार वार करता है। कुछ ही सेकंड में वे स्कूटी पर बैठकर भाग जाते हैं।

घटना के वक्त आसपास काफी संख्या में लोग मौजूद थे। हालांकि आरोपियों के हाथ में धारदार हथियार देखकर किसी के पास जाने की हिम्मत नहीं हुई। आरोपियों ने थापर को लहूलुहान कर दिया। वहीं उनके सिर पर गंभीर चोट आई है। तुरंत लोग उन्हें लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक थापर हमेशा खालिस्तान के खिलाफ बयान देते हैं। इसके अलावा उन्होंने पंजाब में किसान आंदोलन के खिलाफ भी बयान दिए थे। जब हमला हुआ तब थापर के साथ उनका गनमैन भी मौजूद था। हालांकि उसका कहना है कि निहंगों ने पकड़ कर हथियार छीनने की भी कोशिश की। थापर के समर्थकों का कहना था कि लंबे समय से उन्हें धमकी मिल रही थी इसके बाद उन्हें केवल एक गनमैन दिया गया था।

मोबाइल फोन यूजर से 34824 करोड़ की मुनाफा वसूली

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने तीन बड़ी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा, 109 करोड़ मोबाइल फोन यूजर पर 34824 करोड़ रुपए का बोझ डालने पर केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस ने ट्राई की रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा है, कि सेल कंपनियां हर फोन ग्राहक से 152 रुपये 55 पैसे प्रतिमाह कमाती हैं। उसके बाद भी टेलीकॉम कंपनियों ने साजिश करके सुनयोजित रूप से अपने प्लान के रेट बढ़ाए हैं।

यहां शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उल्लेखनीय है 27 जून को रिलायंस जिओ ने 12 से लेकर 27 फ़ीसदी तक रेट बढ़ा दिए हैं। वहीं 28 जून को एयरटेल ने 11 से लेकर 21 फीसदी तक तथा 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने 10 से लेकर 24 फीसदी तक प्लान के रेट बढ़ाकर उपभोक्ताओं के साथ 35000 करोड रुपए की वसूली की जा रही है। तीनों टेलीकॉम कंपनियों ने सरकार ओर ट्राई की मोन सहमति मिलने के बाद सेल उपभोक्ताओं के ऊपर 34824 करोड रुपए का बोझ डाला है। यह टेलीकॉम कंपनियों की खुले आम लूट है।

कांग्रेस ने मोदी सरकार से सवाल किया है। नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम की खरीद होने वाले असर का अध्ययन करने के लिए सरकार ने कोई कमेटी बनाकर अध्ययन किया है? मोदी सरकार ने इसके पहले भी टेलीकॉम कंपनियों को 102000 करोड रुपए के स्पेक्ट्रम भुगतान की छूट देकर टेलीकॉम कंपनियों को फायदा पहुंचाया है। कांग्रेस ने चुनाव तक टेलीकॉम कंपनियों को दरें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी। चुनाव परिणाम आने के बाद टेलीकॉम कंपनियों ने उपभोक्ताओं के ऊपर 35000 करोड रुपए का बोझ डाला है। कांग्रेस ने कहा है, सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बाद भी भारत सरकार और ट्राई ने जिस तरह से टेलीकॉम कंपनियों की लूट पर चुप्पी साध रखी है। यह उपभोक्ताओं के साथ धोखा है।

जन हितैषी

टोल टैक्स से राजनेताओं और ठेकेदारों को अरबों रुपए की अवैध कमाई

पिछले एक दशक से देश में बड़ी तेजी के साथ टोल मॉडल की सड़कें बनाई जा रही हैं। पीपीपी मॉडल में बन रही सड़कों पर टोल टैक्स लगाया जा रहा है। नियमों के अनुसार पुल और सड़क की लागत निकल जाने के पश्चात टोल नाके बंद हो जाने चाहिए। सरकार के नियमों में जब यह प्रावधान है। उसके बाद भी सरकार की मिली भगत से, जिस सड़क पर टोल टैक्स लग गया। उसकी लागत वसूल हो जाने के बाद भी टोल टैक्स वसूल किया जा रहा है। टोल टैक्स बढ़ाया भी जा रहा है। टोल टैक्स को लेकर लोगों में अब नाराजी देखने को मिल रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश में भोपाल-देवास, जावरा-नयागांव, लेवड़-जावरा सड़क मार्ग की लागत से तीन से चार गुना ज्यादा टोल टैक्स की वसूली हो चुकी है। इसके बाद भी टोल टैक्स बंद नहीं किया गया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से देवास के बीच बनी सड़क की लागत 426 करोड़ रुपए थी। अभी तक 1610 करोड़ 92 लाख रुपए की वसूली टोल टैक्स के माध्यम से की जा चुकी है। इसके बाद भी टैक्स की वसूली जारी है। हर महीने करोड़ों रुपए का फायदा ठेकेदार कंपनी को पहुंचाया जा रहा है। मध्य प्रदेश विधानसभा में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विधायक प्रताप ग्रेवाल के प्रश्न के उत्तर में यह स्वीकार किया है। इसके बाद भी सरकार ने टोल टैक्स बंद करने की बात स्वीकार नहीं की। ठेकेदार कंपनी चार गुना टोल टैक्स की वसूली करने के बाद भी अगले 9 साल तक और वसूली करेगी। मध्य प्रदेश या देश की किसी एक सड़क का यह मामला नहीं है। लगभग सभी मार्गों में यही स्थिति देखने को मिल रही है। सड़क की लागत से कई गुना ज्यादा टोल टैक्स की वसूली हो जाने के बाद भी, टोल टैक्स जारी है। इस वसूली में नेताओं, सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से वाहन चालकों से खुलेआम डंडे और बैरियर के बल पर लूट हो रही है। पिछले 10 वर्षों से देश के सभी हिस्सों में बड़ी तेजी के साथ टोल सड़कों का निर्माण हुआ है। 100-50 किलोमीटर के बाद वाहन चालकों को टोल टैक्स देना पड़ रहा है। लगभग 2 रुपया किलोमीटर के हिसाब से वाहन चालकों से जबरिया टैक्स वसूल किया जा रहा है। टोल टैक्स नाके के जो ठेकेदार हैं, उनको राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, कि जो भी टोल नाके चल रहे हैं। उनमें कहीं ना कहीं राजनेताओं और बड़े अधिकारियों की हिस्सेदारी भी है। जिसके कारण नियम विरूद्ध ज़बरिया टैक्स वसूल किया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा टोल रोड बनाने के लिए जो नियम हैं। उसमें समय-समय पर संशोधन करके इस तरह की अवैध वसूली नेताओं और अधिकारियों की मिली भगत से की जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारें ठेकेदार द्वारा की जा रही, इस अवैध कमाई पर रोक लगाने के स्थान पर उनका संरक्षण करती नजर आती हैं। ठेकेदारों के पक्ष में खडे होकर वाहन चालकों से हर दिन करोड़ों रुपए की लूट करा रही हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा में जो आंकड़े आए हैं। उनमें जो टोल रोड 2010 के आसपास बनाई गई थी। उनमें टैक्स के रूप में चार गुना से ज्यादा वसूली हो चुकी है। सरकार खुद इस बात को स्वीकार कर रही है। इसके बाद भी टोल नाकों पर टोल टैक्स की वसूली की जा रही है। कई मामले तो ऐसे भी सामने आए जिनमें सड़क की लागत मूल्य और टोल टैक्स का अनुबंध 30 जून 2007 को हुआ था। 5 माह के अंदर ही सड़क की लागत का 50 फीसदी टोल टैक्स से वसूल हो चुका था। उसके बाद भी कागजों में हेरा फेरी करके ठेके की अवधि 25 साल कर दी गई। हर साल रोड में ट्रैफिक बढ़ रहा है। वसूली बढ़ रही है। सरकार के अधिकारियों और सरकार का संरक्षण होने के बाद अवैध वसूली होती चली जा रही है। यह बिना सरकारी मिली भगत के संभव नहीं है। जनता जब तक स्वयं जागरूक नहीं होगी। इसी तरह से लूट का शिकार होती रहेगी।

इसे डंका बजना कहें या लंका लगना ?

गोदी मीडिया सहित सत्ता की भक्त मण्डली,सरकारी विभागों व विज्ञापनों द्वारा गत दस वर्षों से सत्ता का गुणगान किया जा रहा है। सरकारी तौर पर भले ही खंडन क्यों न किया जाये परन्तु भक्त मण्डली यह प्रचारित करने में कोई कसर उठा नहीं रखती कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा दिया। इस प्रोपेगेंडा के जवाब में विपक्षी नेताओं का यह सवाल तो वाजिब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने वाले एक वर्ष से अधिक समय से सुलग रहे डबल इंजन की सरकार वाले राज्य मणिपुर में शांति बहाल क्यों नहीं करवा पाये ? इसी तरह के अनेक फ़र्ज़ी दावों के आधार पर यह प्रचारित किया जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का डंका बज रहा है। डंका बजने की परिकल्पना का प्रचार भी आपको भारत के ही गोदी मीडिया द्वारा संचालित टी वी और अख़बारों में दिखाई देगा विदेशों में नहीं। इसी तरह प्रचार माध्यमों के बल पर सबका साथ सबका विकास और भ्रष्टाचार मुक्त भारत का भी एक वातावरण बनाया गया। यह और बात है कि विपक्षी दलों से सम्बन्ध रखने वाले पूरे देश के एक दो नहीं बल्कि अनेक नेताओं को जांच व जेल का भय दिखा कर अपने पाले में शामिल कर उनके भ्रष्टाचारी होने पर पर्दा डाल दिया गया। कई भ्रष्टाचारी कंपनियों से इलेक्टोरल बाण्ड के माध्यम से वसूली की गयी और उनके भ्रष्टाचारों की तरफ़ से आँखें मूँद ली गयीं। कई ऐसी कम्पनीज़ ने करोड़ों रूपये के इलेक्टोरल बाण्ड ख़रीदे जिनके ख़िलाफ़ ईडी और इनकम टैक्स विभाग की कार्रवाई चल रही थी या फिर ये कार्रवाइयां बॉन्ड ख़रीदे जाने के समय के आसपास हुई हैं। इनमें फ़्यूचर गेमिंग, वेदांता लिमिटेड और मेघा इंजीनियरिंग जैसी कंपनियां हैं जो सबसे ज़्यादा क़ीमत के बॉन्ड ख़रीदने वालों में शामिल है। इन कम्पनीज़ की ओर से बाण्ड की ये ख़रीदारी ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की कार्रवाइयों के आसपास ही हुई है।

शायद इसी भ्रष्टाचार के परिणाम स्वरूप पिछले कुछ ही दिनों में जिस तरह अमृत काल में एक के बाद एक कई विकास योजनाओं के पोल खुले हैं उसे देखकर तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता कि विकसित भारत के मार्ग पर दौड़ने वाला हमारा देश भ्रष्टाचार मुक्त भी हो रहा है। अयोध्या धाम को ही ले लीजिये। राम मंदिर निर्माण को लेकर ऐतिहासिक प्रोपेगेंडा रचा गया। एक तीर से कई शिकार खेले गये। जो राम को लाये हैं हम उनको लायेंगे का नारा देकर जहाँ यह ग़लतफ़हमी पाली गयी कि 2024 के चुनाव में राम जी की कृपा होनी तय है और उसी अति उत्साह में अबकी बार चार सौ पार का शगूफ़ा छोड़ दिया गया उसी के साथ साथ उस विपक्ष को राम विरोधी व रामद्रोही साबित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी गयी जो भाजपा के 22 जनवरी के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को धार्मिक नहीं बल्कि राजनैतिक कार्यक्रम बताकर उसमें शरीक नहीं हुआ। इसी के साथ साथ भव्य राम मंदिर,राम पथ ,महर्षि बाल्मीकि एयरपोर्ट,और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का निर्माण व जीर्णोद्धार कराकर यह भी प्रचारित किया गया कि अयोध्या अब विकसित अयोध्या बन चुकी है। परन्तु पिछले दिनों 24 घंटे की बारिश में उसी अयोध्या में हाहाकार मच गया। हाई टेक बताये जा रहे अयोध्या राम मंदिर की छत से पानी टपकने लगा। राम पथ पर लगभग 20 जगहों पर सड़कें धंस गईं और उन सड़कों में बड़े बड़े गड्ढे पड़ गये। पूरी दुनिया के मीडिया में अयोध्या की इस हालत का भी ख़ूब ज़िक्र हुआ।

इसी बारिश की शुरुआत में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा ढह गया इस घटना में एक 45 वर्षीय टैक्सी चालक की मौत हो गई और लगभग दस लोग घायल हो गए थे। उस दिन इस घटना के कारण टर्मिनल 1 से अनिश्चित काल के लिए ऑपरेशन निलंबित कर दिया गया था। यहां से हर दिन लगभग 200 उड़ानें आती जाती हैं। इसी तरह इन्हीं दिनों में राजकोट हीरासर स्थित इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल के बाहर पैसेंजर पिकअप-ड्रॉप एरिया में ऊपर लगी कैनोपी ढह गई। पीएम मोदी ने गत वर्ष जुलाई में राजकोट एयरपोर्ट के इस नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण किया था। इस एयरपोर्ट का 1400 करोड़ से ज़्यादा की लागत से विस्तार हुआ था। इसी तरह मानसून की पहली बारिश ने अडानी समूह द्वारा संचालित राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट एयरपोर्ट के नवनिर्मित टर्मिनल 3 की भी पोल खोलकर रख दी है। इसी वर्ष 10 मार्च को बड़े ही धूमधाम से टर्मिनल थ्री का उद्घाटन हुआ था। परन्तु इस टर्मिनल के वेटिंग एरिया की छत से भी पानी टपकने लगा। मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 के वेटिंग एरिया में भी छत से पानी टपकने लगा। जबलपुर में भी डुमना हवाई अड्डे के नव विस्तारित टर्मिनल की कैनोपी का भी एक हिस्सा भारी बारिश के कारण टूट गया था। इस घटना में कैनोपी के नीचे खड़ी एक सरकारी अधिकारी की कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस एयरपोर्ट का भी तीन महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। भारत में केवल एयरपोर्ट की छतें ही लीक नहीं हो रहीं बल्कि नीट के पेपर भी लीक हो रहे हैं। गोया साहब की हुक्मरानी का डंका पूरी दुनिया में ज़ोर शोर से बज रहा है।

बिहार में डबल इंजन की सरकार ने तो भ्रष्टाचार व लापरवाही में पिछले दिनों गोया विश्व कीर्तिमान ही स्थापित कर लिया। यहाँ मात्र दस दिन के भीतर ही राज्य के अररिया, सिवान, पूर्वी चंपारण, किशनगंज और मधुबनी ज़िलों में पाँच बड़े पुल धराशायी हो गए। इन पुलों में से तीन निर्माणाधीन पुल थे जबकि दो पुलों का निर्माण हो चुका था। इन हादसों से जनता का हज़ारों करोड़ रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़, पानी में बह गया। इन पांच पुलों से पहले भी बिहार में गत मार्च में सुपौल में कोसी नदी के उपर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था, इसमें एक मज़दूर की मौत हुई थी और 10 अन्य घायल हो गए थे। इसके पश्चात् 22 जून को सिवान में गंडक नहर पर बनी पुलिया ध्वस्त हो गई थी। 22 जून की ही रात को पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन प्रखंड के अमवा में निर्माणाधीन पुल गिर गया था। बताया जाता है कि 1.60 करोड़ की लागत से बन रहे इस पुल के ऊपरी भाग की ढलाई शाम के समय ही हुई थी और रात होते होते यह ध्वस्त भी हो गया। इसी तथाकथित विकास की इतनी तीव्र गति और विश्व मीडिया में विश्व कीर्तिमान स्थापित करने वाले इन हादसों के ज़िक्र को साहब का डंका बजना कहें या लंका लगना ? (लेखिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है।

हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी।

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं?

एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दौ से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई।

विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबे के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है।

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की डयूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उनके तीन मंत्री पहले से वहां पहुंचे हुए है।

इस एवं इससे जुड़ी कार्रवाइयों से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, क्योंकि आमतौर पर यही देखने में आता है कि इस तरह के मामलों में कार्रवाई के नाम पर कुछ अधिक नहीं होता। इसी कारण रह-रहकर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और उनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी जान गंवाते हैं। इसके बावजूद कोई सबक सीखने को तैयार नहीं दिखता है। धार्मिक आयोजनों में अव्यवस्था और अनदेखी के चलते लोगों की जान जाने के सिलसिले पर इसलिए विराम नहीं लग पा रहा है, क्योंकि दोषी लोगों के खिलाफ कभी ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती, जो नजीर बन सके।(लेखक - ललित गर्ग / ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए बजट में

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं।

पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है।

भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले। क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है।

ऐसा कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीब करीब बराबरी पर ही चलती हुए दिखाई देती है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में बहुत मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच सका है। अतः कुल मिलाकर देश में मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा।

दरअसल, देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।(लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8059

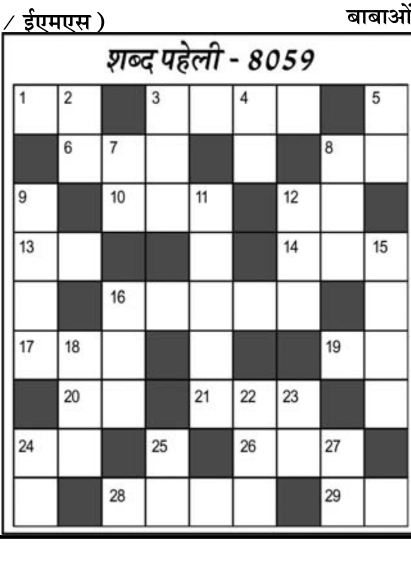

बाएँ से दाएँ

1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रातः-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -8058 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रोहित के लिए इसलिए खास है 2007 विश्वकप से अधिक इस बार की जीत

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस बार 2024 टी20 विश्व कप जीत को साल 2007 से अधिक खास मानते हैं। रोहित ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि इस बार वह टीम की कप्तानी कर रहे थे वहीं 2007 में टीम के एक सदस्य थे। बीसीसीआई द्वारा जारी वीडियो में रोहित ने कहा, 2007 एक अलग एहसास था, हमने दोपहर में शुरुआत की और यह शाम को है। मैं 2007 को नहीं भूल सकता क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था। यह थोड़ा और खास है क्योंकि मैं टीम का नेतृत्व कर रहा था इसलिए यह मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है। यह पागलपन भरा होने वाला है। आप उत्साह को समझ सकते हैं और यह दिखाता है कि यह न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे देश के लिए कितना मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि हम उनके लिए भी टी20 विश्व कप जीत सके।

बुमराह, रोहित, मंधाना प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह , कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के अलावा भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना , इंग्लैंड की मैया बाउचिर और श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट के लिए जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया है।

बुमराह ने टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 विकेट लिए थे। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब भी दिया गया है। वहीं रोहित ने टी-20 विश्वकप के आठ मैच में 156.70 स्ट्राइक रेट से नाबाद 257 रन बनाए थे। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 92 रन रहा था।

इसके अलावा आफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी-20 विश्वकप में 35.12 की औसत और 124.33 के स्ट्राइक रेट से कुल 281 रन बनाए। वहीं महिला वर्ग की बात करें तो मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 210 बनाकर दोहरा शतक लगाया था। गुणरत्ने और और बाउचिर ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था।

दिग्गज विकेटकीपर फारुख इंजीनियर ने भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा की, अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम करार दिया

लंदन (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर फारुख इंजीनियर ने टी20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि ये अब तक की सबसे अच्छी टीम है। बारबाडोस में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली टीम को अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम कहा है। 86 वर्षीय इंजीनियर ने साल 1961-75 तक भारतीय टीम की ओर से 46 टेस्ट मैच खेले थे। इंजीनियर अपने समय के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक थे। इसी साल फरवरी में उन्हें कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिला था। इंजीनियर ने कहा कि हालांकि अब मैं इंग्लैंड में रहता हूं पर दिल से मैं अब भी पूरी तरह से एक भारतीय हूं। मुझे भी भारतीय टीम पर बहुत गर्व है। कुछ महीने पहले मुझे वर्तमान भारतीय टीम से सराहना मिली, जिससे मैं अब भी उत्साहित हूं क्योंकि अपनों से ये सम्मान मुझे मिला था।

इस पूर्व क्रिकेटर ने बीसीसीआई द्वारा विजेता टीम को 125 करोड़ की राशि देने की भी सराहना भी की। उन्होंने कहा कि टीम को विश्व कप जीतने के लिए पुरस्कार राशि के रूप में 125 करोड़ रुपए मिले हैं, जिससे मैं बेहद खुश हूं। मुझे लगता है कि हमारे लड़कों ने जो जीता है उसके पूरी तरह से अधिकारी हैं और मुझे उम्मीद है कि उन्हें घर पहुंचने पर शानदार स्वागत मिलेगा।

विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच और कीज़ , पेगुला बाहर हुईं

लंदन (ईएमएस)। सर्बिया के टेनिस नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। जोकोविच को दूसरे दौर में जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। जोकोविच को वाइल्ड कार्ड से आये स्कॉटलैंड के जैकब फर्नले से 4 सेट तक चला मुकाबले के बाद अंत में 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से जीत मिली। वहीं महिला वर्ग में 5वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला हार के साथ ही बाहर हो गयीं हैं। पेगुला अब तक इस टूर्नामेंट में हारने वाली सबसे अधिक वरीयता वाली महिला खिलाड़ी हैं। पेगुला को वांग जिन्यू ने 6-4, 6-7 (7), 6-1 से पराजित किया। वांग ने इसी के साथ ही शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है। अमेरिका की 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैडिसन कीज़ जीत के साथ ही तीसरे दौर में पहुंच गयी हैं। कीज़ ने वांग याफ़ान को 6-2, 6-2 से हराया था।

वहीं बेलारुस की आर्यना सबालेंका कंधे की चोट के कारण पहले दौर के मुकाबले से पहले ही टूर्नामेंट से हट गयीं।

वहीं वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने ब्रिटेन की युरिको लिली मियाजाकी को डारिया कसाटकिना ने आसानी से 6-0, 6-0 से हरा दिया। कसाटकिना का अगला मुकाबला अब पाउला बडोसा से होगा। बडोसा ने एक अन्य मुकाबले में ब्रेंडा फ्रूहविर्टोवा को 6-4, 6-2 से हराया था।

विक्ट्री परेड के बाद मरीन ड्राइव पर दिखा जूते-चप्पल का ढ़ेर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप जीतने की खुशी में जो विक्ट्री परेड निकाली गयी थी। उस दौरान प्रशंसकों की भारी भीड़ थी जिससे पुलिस प्रशासन ने बमुश्किल निभाला। इस दौरान किसी हादसे का खतरा बना हुआ था। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि परेड के बाद मुंबई की मरीन ड्राइव पर हर जगह जूते-चप्पल और मोबाइल पड़े नजर आये। पुलिस के अनुसार इस दौरान कई लोगों को परेशानी भी हुई, यहां तक कि कुछ घायल हो गए जबकि कुछ को सांस लेने में तकलीफ होने लगी।

इससे ये लगता है कि जीत का जश्न मनाना जाना चाहिये पर वइ इस प्रकार को हो कि किसी को नुकसान न पहुंचे। इस तरह से जोश में हालात बेकाबू होने से कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी। पुलिस ने अपनी ओर से पूरे इंतजाम किये हुए थे पर खिलाड़ियों की झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंच गये। ऐसे में पुलिस के लिए भी हालात पर नियंत्रण आसान नहीं था। टी20 विश्वकप लेकर लौटी भारतीय टीम ने एक खुली बस में रोड शो में हिस्सा लिया जिसके बाद वानखेड़े स्टेडियम में एक सम्मान समारोह हुआ।

विजय जुलूस नरीमन प्वाइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक शाम पांच से सात बजे के बीच निकाला गया। इस कार्यक्रम की सुरक्षा को बनाये रखने पुलिस किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए अत्यधिक सावधानी बरत रही थी। पुलिस अधिकारियों ने नरीमन प्वाइंट और वानखेड़े स्टेडियम के बीच मरीन ड्राइव पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की थी। ऐसे में सब कुछ शांतिपूर्ण तरीके से हो गया।

प्रधानमंत्री ने पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना वाले खिलाड़ियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं

नीरज से बोले, तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना होने वाले भारतीय खिलाड़ियों के दल से मुलाकात कर उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि वे हार-जीत की चिंता किये बिना अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करें। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से शुरू हो रहे है और इसमें भारतीय खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। ओलंपिक के लिए रवाना होने वाले अधिकतर खिलाड़ी गुरुवार शाम को प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे पर नीरज चोपड़ा सहित कुछ खिलाड़ियों ने विदेश में प्रशिक्षण के कारण वीडियो कॉल से ही उनसे बात की।

नीरज से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं देते कहा, 'मुझे तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है।' प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से कहा कि खेल के जरूरी है कि अच्छी नींद लें। इसलिए बिना किसी दबाव के आप सब लोग अच्छी नींद लीजिए। हो सकता है कि आपको लगे कि प्रधानमंत्री सोने को कह रहे हैं पर ऐसा सोचने की जरूरत नहीं है। मेडिकल साइंस भी अच्छी नींद लेने की बात कहता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ' आप सब ओलंपियन हैं। ओलंपिक में हिस्सा लेना ही काफी बड़ी बात है पदक मिले तो अच्छा है नहीं मिले तो भी परेशान न हों। केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें। मैं प्रयास करूंगा कि इस बार 15 अगस्त को लालकिले के स्वतंत्रता दिवस समारोह में आप भी मौजूद रहें.'

शुभमन की कप्तानी में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे (ईएमएस)। शुभमन गिल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भारी भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मुकाबले में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम में शामिल युवा खिलाड़ियों के पास इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर रहेगा। भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ इस दौरे में पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल ने कहा है कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत से हमारा भी मनोबल बढ़ा है। ऐसे में युवा टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इस दौरे में युवा अभिषेक शर्मा, रियान पराग जैसे खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहेंगी।

इस दौरे में शुभमन की कप्तानी कौशल की भी परीक्षा होगी। पारी की शुरुआत का अवसर रूतुराज गायकवाड को मिलना तय हैं। वहीं अभिषेक अगर पारी की शुरूआत करते हैं तो गायकवाड़ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं।

पराग चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। वहीं आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह पांचवें नंबर पर उतरेंगे। वहीं छठे नंबर पर विकेटकीपर जितेश शर्मा या ध्रुव जुरेल में से जिसे अवसर मिलता है उतरेंगे। गेंदबाजी की कमान आवेश खान और खलील अहमद और मुकेश कुमार के पास रहेगी। स्पिनर के तौर पर रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर को अवसर मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर जिम्बाब्वे की बात करें तो वह भारत से काफी कमजोर है पर इस दौरे में भारतीय टीम को मेजबान टीम के सिकंदर रजा से सावधान रहना होगा। रजा को आईपीएल में खेलने के कारण भारतीय खिलाड़ियों के खेलने का तरीका पता है। इसके अलावा वेलिंगटन मसाकाजा , टेंडाइ चतारा जैसे खिलाड़ियों पर भी अंकुश लगाना होगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साइ सुदर्शन, जितेश शर्मा, हर्षित राणा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया , क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स, एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा।

साढ़े 4 घंटे भारतीय उच्चा योग को घेरे रहे खालिस्तानी

टोरंटो (ईएमएस)। कनाडा में खालिस्तानी तत्व लगातार अतिवादी कदम उठा रहे हैं। कई बार भारतीय उच्चायोग के सामने धरना दे चुके खालिस्तानियों ने फिर से उत्पात मचाया। ओटावा में स्थित भारतीय उच्चायोग के सामने फिर से सिख्स फॉर जस्टिस नाम के खालिस्तानी संगठन के लोगों ने धरना दिया। इन लोगों ने करीब साढ़े 4 घंटों तक उच्चायोग को घेरे रखा। हालांकि इस दौरान कुछ भारत समर्थक भी वहां पहुंचे, जिनके हाथों में तिरंगे झंडे थे। ये लोग खालिस्तानियों का विरोध कर रहे थे। पिछले साल 18 जून को खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के सरे में हत्या हो गई थी।

निज्जर के मारे जाने के बाद पहली बार 8 जुलाई, 2023 को प्रदर्शन हुआ था। खालिस्तानी कई बार भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को घेर चुके हैं और एक बार झड़प की कोशिश भी की थी। हालांकि तब कनाडा के सुरक्षाकर्मियों के चलते बीच-बचाव कर लिया गया था। घटना के दौरान भारत ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताकर कनाडा से सुरक्षा व्यवस्था देने की मांग की थी। इसकारण कनाडा ने सुरक्षा दी, लेकिन खालिस्तानियों पर रोक नहीं लगाई। गुरुवार को भारतीय उच्चा योग के सामने जुटे खालिस्तानियों ने भारत विरोधी नारे लगाए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आंदोलन कर रहे खालिस्तानियों के चलते हमें कोई बाधा नहीं आई। बीते साल जुलाई से ही खालिस्तानी कनाडा में उग्र हैं। इन लोगों ने किल इंडिया नाम से कैंपेन भी चलाया था। इसके अलावा भारतीय अधिकारियों की आपत्तिजनक तस्वीरें भी उन्होंने लहराई थीं।

दूसरे दलों के नेताओं को मलाई, अपनों की खिंचाई.........भाजपा की हार कारण

विभिन्न राज्यों की समीक्षा बैठकों में यह मुद्दा रहा अहम

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद हो रही विभिन्न राज्यों की समीक्षा बैठकों में भाजपा के मौजूदा सांसदों और विधायकों के खिलाफ आवाज बुलंद हो रही है। संगठन के तौर तरीकों, मंत्रियों के व्यवहार और टिकट वितरण को भी प्रतिकूल नतीजों की वजह है। दूसरे दलों से आए नेताओं को ज्यादा तरजीह देने से मूल काडर की नाराजगी भी जाहिर हुई है। इसके बाद पार्टी के भीतर बड़े बदलावों को लेकर दबाव बढ़ने लगा है।

बीते दो लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल कर रही भाजपा को इस बार सहयोगी दलों के सहारे सरकार चलाना पड़ रहा है। भाजपा का अपना प्रदर्शन खराब रहा और उसकी 63 सीटें कम हुई है। सबसे ज्यादा झटका उत्तर प्रदेश में लगा, जहां उसकी सीटों और वोटों में भारी गिरावट आई है। भाजपा का वोट पिछले चुनाव के 49.98 फीसद से घटकर 41.37 फीसद रह गया है, वहीं सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की समीक्षा बैठक में पार्टी के कई नेताओं ने राज्य से लेकर केंद्र तक की कई खामियों को उजागर किया है।

सूत्रों के अनुसार, प्रदेश के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि हार का कारण साफ हैं। समीक्षा में ज्यादा समय देने की बजाय अभी से उन कमियों को सुधारा जाना चाहिए। 2027 के लिए अभी से कार्यकर्ताओं से लेकर ऊपर तक काफी काम करना होगा। इसमें यह भी देखना होगा कि दूसरे दलों से आए नेताओं को तरजीह देने में मूल काडर की उपेक्षा न हो।सूत्रों के अनुसार, पार्टी में एक बात यह भी उभर रही है कि केंद्र में उत्तर प्रदेश से शामिल 11 मंत्रियों में केवल तीन ही मूल काडर से हैं। सहयोगी दलों से दो मंत्री हैं। बाकी छह मूल काडर से बाहर के हैं।

सूत्रों का कहना है कि अभी कार्यकर्ताओं में ही शिथिलता है, अभी स्थिति को नहीं संभाला गया तब 2027 के विधानसभा चुनाव में काफी मुश्किल हो सकती है। उत्तर प्रदेश की तरह ही हरियाणा, महाराष्ट्र एवं राजस्थान की समीक्षा रिपोर्ट भी भाजपा के लिए अच्छी नहीं है। पूर्वोत्तर के विभिन्न घटनाओं को ठीक तरह से हल न कर पाने से वहां पर भी नुकसान हुआ है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल से पीड़ित कार्यकर्ताओं की चिंता न हो पाने की भी बात उभरी है।

संकेत हैं कि पार्टी सभी राज्यों की समीक्षा रिपोर्ट आने के बाद बड़े बदलाव कर सकती है। यह बदलाव संगठन के स्तर और राज्यों में सरकार के स्तर पर भी हो सकते हैं। दूसरे दलों से या नौकरशाही से आने वाले नेताओं को लेकर भी पार्टी सतर्कता बरत सकती है। खासकर, उन राज्यों में जहां वह मजबूत है और पार्टी को गठबंधन की भी जरूरत नहीं है। सामाजिक आधार पर अपने समर्थक वर्ग को भी साधना होगा। सबसे ज्यादा काम कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने का होगा और उनकी बात को संगठन तथा सरकार के स्तर पर सुना जाए।

चीन ने किया नए उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन ने उत्तरी शांक्सी प्रांत के ताइयुआन उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से शुक्रवार सुबह 6:49 बजे तियानहुई 5-02 उपग्रह समूह को सफलतापूर्वक छोड़ा। उपग्रह समूह को संशोधित लॉन्ग मार्च-6 वाहक रॉकेट द्वारा ले जाया गया और उसने नियोजित कक्षाओं में प्रवेश कर लिया है। उपग्रहों के इस समूह का इस्तेमाल भौगोलिक मानचित्रण, भूमि संसाधन सर्वेक्षण, वैज्ञानिक प्रयोग और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह वाहक चील की रॉकेटों की लॉन्ग मार्च श्रृंखला का 527वां मिशन है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से ?मिलेजुले संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हॉवी रहने से आयी है। इसी के साथ ही बाजार में पिछले दिनों से जारी तेजी पर अंकुश लग गया। आज एचडीएफसी बैंक, टाइटन, टाटा स्टील और एमएंडएम के शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 53.07 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 79,996.60 अंक पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में भी 21.70 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी की हल्की बढ़त रही और अंत में ये 24,323.85 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस, एसबीआई, एनटीपीसी, एचयूएल और एलएंडटी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, जेएसडब्लयू स्टील, सन फार्मा, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एक्सिस, मारुति, टेक महिंद्रा और आईसीसी बैंक के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं दूसरी ओर 13 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसमें एचडीएफसी बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एमएंडएम और इंडसइंड बैंक जैसे शेयर रहे जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स और इंफोसिस के शेयर नीचे आये।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 25.67 अरब डॉलर के शेयर खरीदे और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 23.75 अरब डॉलर के शेयर बेचे। वहीं गत कारोबारी दिवस बेंचमार्क सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के लेवल के पार बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत ?गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 461 अंक फिसलकर 79,587 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी50 सूचकांक 0.27 प्रतिशत गिरकर 24,236 अंक पर पहुंच गया!

वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में ज्यादातर सकारात्मक रुझान नजर आया। जापान के प्रमुख सूचकांक निक्केई 225 ने शुरुआती कारोबार में 0.24 फीसदी की बढ़त के रखी। व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली 0.07 फीसदी की गिरावट आई। अमेरिका में 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस के कारण बाजार बंद थे।

इस साल अक्टूबर में होगी एससीओ समिट, पाकिस्तान करेगा मेजबानी

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने एससीओ समिट को लेकर कहा है कि वह अक्टूबर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक की मेजबानी करेगा और इसमें शामिल होने के लिए भारत समेत सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करेगा। अब सवाल यह है कि इस बैठक में भारत किसको भेजता है।

बीते एक दशक से भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के साथ अच्छे रिश्तों की पहल की थी। उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में भी बुलाया था और फिर विदेश यात्रा से लौटते समय अचानक पाकिस्तान भी गए थे। यह मौका नवाज शरीफ के जन्मदिन का था। 2015 में उनका यह दौराअहमथा क्योंकि दस साल बाद कोई भारतीय पीएम पाकिस्तान पहुंचा था।

इसके बाद पठानकोट, उड़ी जैसे आतंकी हमले हुए और भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते खराब चल रहे हैं और अब करीब नौ साल बीत चुके हैं। इस दौरान किसी भी भारतीय मंत्री या प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। हालांकि बीते साल बिलावल भुट्टो जरदारी गोवा आए थे, जब एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। ऐसे में अब भारत की ओर से कौन इस बैठक में जाएगा इस पर सभी की नजरें लगी हुई हैं।

पाक के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की अध्यक्षता के रूप में पाकिस्तान इस साल अक्टूबर में एससीओ बैठक की मेजबानी करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान पीएम नरेंद्र मोदी को निमंत्रण देगा। बलोच ने कहा कि इसकी अध्यक्षता पाकिस्तान के पास है, इसलिए अध्यक्ष के रूप में हम एससीओ सदस्य देशों के सभी राष्ट्र अध्यक्षों को निमंत्रण भेजेंगे। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि अक्टूबर में आयोजित होने वाली बैठक में एससीओ के सभी सदस्यों का प्रतिनिधित्व होगा।

बलोच ने कहा कि अक्टूबर में आयोजित शिखर सम्मेलन से पहले मंत्रिस्तरीय बैठक और वरिष्ठ अधिकारियों की कई दौर की बैठकें होंगी जिनमें एससीओ सदस्य देशों के बीच वित्तीय, आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बलोच ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी गुट का हिस्सा नहीं बनेगा क्योंकि वह सभी देशों के साथ अच्छे संबंध रखने में यकीन रखता है खासकर पड़ोसियों के साथ। 2015 में उनका यह दौरा अहम था क्योंकि दस साल बाद कोई भारतीय पीएम पाकिस्तान पहुंचा था।

यमन में हैती ठिकानों पर अमेरिका-ब्रिटेन ने की संयुक्त एयर स्ट्राइक

सना,(ईएमएस)। अमेरिका-ब्रिटेन ने यमन के लाल सागर प्रांत होदेइदाह में हैती ठिकानों पर हवाई हमले किए। यह हमले गुरुवार को प्रांत के उत्तर-पश्चिमी जिले अल्लुहायाह और दक्षिणी जिले बैत अल-फकीह में किए गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलों में हैती समूह के मोबाइल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका-ब्रिटेन ने अभी तक हमलों को लेकिर कोई टिप्पणी नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि उनके सुरक्षा बलों ने हैती नियंत्रित क्षेत्रों में दो रडार साइटों और लाल सागर में दो हौथी ड्रोन नौकाओं को खत्म किया है। हौथी समूह का उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा है। उसने बीते साल नवंबर में लाल सागर से गुजरने वाले इजरायल के जहाजों पर जहाजरोधी बैलिस्टिक मिसाइलों और सशस्त्र ड्रोनों से हमला किया था। हमले गाजा पट्टी में इजरायल के हमलों के शिकार फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिये किए गए थे।

जवाब में जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी-ब्रिटिश के नौसैनिकों ने समूह के हमलों को रोकने के प्रयास में जनवरी से ही हैती ठिकानों पर हवाई हमले और मिसाइल हमले किए। हालांकि, हैती समूह ने अमेरिका और ब्रिटेन के व्यापारिक जहाजों और नौसैनिक जहाजों पर अपने हमले बढ़ा कर जवाबी कार्रवाई की है।

रूस ने यूक्रेन के 42 हजार से ज्यादा हमलों को किया नाकाम

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस के वायु और मिसाइल रक्षा बलों के कमांडर और लेफ्टिनेंट जनरल आंद्रेई सेमेनोव ने कहा कि यूक्रेन में रूस के विशेष सेना ने अभियान की शुरुआत के बाद से रूसी वायु रक्षा बलों और वायु रक्षा साधनों ने 550 से ज्यादा विमानों और 27 हजार ड्रोन समेत 42 हजार से ज्यादा हवाई हमलों को नष्ट किया है।

उन्होंने कहा कि विशेष सैन्य अभियान में वायु रक्षा बलों द्वारा कुल 42 हजार से ज्यादा हवाई हमलो को नष्ट किया है। इसमें 550 से ज्यादा विमान, 180 से ज्यादा हेलीकॉप्टर और 27,000 से ज्यादा यूएवी शामिल हैं। कमांडर ने कहा कि यूक्रेन के करीब एक तिहाई मानवयुक्त विमानों को अग्रिम क्षेत्रों से कम दूरी की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा मार गिराया।

अचानक ही क्यों बढ़ी टमाटर और प्याज की कीमत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में पिछले कुछ दिनों से प्याज और टमाटर दोनों की कीमतें आसमान छू रही है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि अचानक टमाटर और प्याज दोनों के दाम बढ़े है। दिक्कतें यह हैं कि जानकारों के अनुसार प्याज की कीमतों में नई फसल आने तक तेजी बनी रह सकती है। देश में थोक प्याज व्यापार केंद्र के तौर पर नासिक जिले के लासलगांव में प्याज की कीमतें बढ़कर 3000/ क्विंटल हो गईं, जो एक महीने पहले 2000/ क्विंटल थी। उधर, पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के चलते रोड ट्रांसपोर्टेशन प्रभावित हुआ, इससे टमाटर की सप्लाई पर असर पड़ रहा है। इसकारण भाव भी 80 रुपये किलोग्राम तक पहुंच गया है।

व्यापारियों का कहना है कि किसान ऊंची कीमतों की उम्मीद में प्याज का स्टॉक कर रहे हैं क्योंकि पिछले तीन वर्षों में पहली बार उन्हें बेहतर कीमतें मिल रही है। जबकि अब तक खरीफ (ग्रीष्म) की बुआई अच्छी रही है, अक्टूबर में खरीफ की फसल बाज़ार में आने तक प्याज की कीमतें ऊंची रहने की उम्मीद है।

हालांकि, अगस्त 2023 में, खरीफ की फसल की धीमी बुआई के कारण प्याज की कीमतें बढ़ना शुरू हो गई थीं। क्योंकि देरी और कम मानसूनी बारिश ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों को प्रभावित किया था। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मूल्य निगरानी प्रभाग के अनुसार, टमाटर का डेली एवरेज रिटेल प्राइस 3 जुलाई को 55 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया, जो एक महीने पहले 35 रुपये था।

सोना-चांदी की कीमतों में आई तेजी

- सोने के वायदा भाव 72,450, चांदी लगभग 92,200 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 45 रुपये की तेजी के साथ 72,412 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 54 रुपये की तेजी के साथ 72,421 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 250 रुपये की तेजी के साथ 92,211 रुपये पर खुला। इस समय यह 219 रुपये की तेजी के साथ 92,180 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,365.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,367.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.84 डॉलर था। इस समय यह 0.07 डॉलर की गिरावट के साथ 30.77 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

माइक्रोसॉफ्ट ने की छंटनी, प्रभावित कर्मचारियों का खुलासा नहीं

वा?शिंगटन (ईएमएस)। टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने इस सप्ताह एक और छंटनी की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार ये छंटनी कंपनी के विभिन्न टीमों और स्थानों को प्रभावित करेगी। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने इस ताजा छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। रिपोर्ट में लिंक्डइन पर सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें संकेत मिलता है कि छंटनी का असर प्रोडक्ट और प्रोग्राम मैनेजमेंट विभागों पर पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने छंटनी की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा ?कि हमारे व्यवसाय को चलाने के लिए संगठन और कार्यबल में बदलाव जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने भविष्य के लिए और ग्राहकों एवं पार्टनर्स के समर्थन के लिए महत्वपूर्ण वृद्धि क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने अपना वित्तीय वर्ष 30 जून को समाप्त किया और इस दौरान पुनर्गठन प्रयास टेक दिग्गज के लिए असामान्य नहीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी ऐसा ही किया था। ताजा छंटनी 2024 में पहले हुई कटौती के बाद हुई है। साल की शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट ने अपने गेमिंग डिवीजन में लगभग 2,000 नौकरियों में कटौती की थी। पिछले महीने, एक और छंटनी दौर में एजुरे क्लाउड यूनिट और होलोलेंस मिक्स्ड-रियलिटी टीम सहित लगभग 1,000 पदों पर असर पड़ा था। पिछले 18 महीनों में माइक्रोसॉफ्ट ने हजारों कर्मचारियों को निकाला है। ये छंटनी टेक इंडस्ट्री में चल रही व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा रही हैं। बताया जाता है ?कि अब तक लगभग 100,000 कर्मचारियों को टेक कंपनियों ने निकाला है। 2023 में टेक कंपनियों द्वारा निकाले गए कर्मचारियों की संख्या लगभग 260,000 थी।

भारत आशावादी देशों की सूची में शामिल

-29 देशों के 25,520 लोगों के बीच कराया गया सर्वे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत दुनिया के तीन सबसे आशावादी देशों में शामिल हो गया है। भारत को यह स्थान एक सर्वे में अलग-अलग देशों के लोगों की ओर से दिए इकोनॉमिक आउटलुक के आधार पर मिला है।

एक ग्लोबल सर्वे में भारत को इंडोनेशिया और सिंगापुर के साथ दुनिया के तीन सबसे आशावादी देशों में शामिल किया गया है। आईपीएसओएस द्वारा वॉट वरी द वर्ल्ड नाम से जारी एक सर्वे में बताया गया है कि 69 फीसदी भारतीयों का कहना है कि देश सही दिशा में जा रहा है। वहीं, सिंगापुर और इंडोनेशिया में ये आंकड़ा 79 और 70 फीसदी है। यह आंकड़ा वैश्विक स्तर 38 फीसदी है। सर्वे में 38 फीसदी शहरी भारतीयों ने माना है कि महंगाई एक सबसे बड़ी समस्या है। वहीं, 35 फीसदी का मानना है कि बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। पिछले सर्वे के मुकाबले महंगाई और बेरोजगारी की चिंता में 3 से 9 फीसदी की कमी देखने को मिली है।

वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो महंगाई को लेकर 33फीसदी, जुर्म और हिंसा को लेकर 30 फीसदी, गरीबी और सामाजिक असमानता को लेकर 29 फीसदी, बेरोजगारी को लेकर 27 फीसदी और वित्तीय एवं राजनीतिक भ्रष्टाचार को लेकर 25 फीसदी लोग चिंतित हैं।

सर्वे 24 मई से लेकर 7 जून, 2024 के बीच किया गया है। इसमें 29 देशों के 25,520 लोगों से इस बारे में पूछा गया। ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा जैसे देशों में सैंपल साइज करीब 1,000 का रहा है। जबकि, भारत, अर्जेंटीना, चिली, इंडोनेशिया और इजराइल जैसे देशों में सैंपल साइज 500 रहा है।

आईपीएससोएस इंडिया के सीईओ ने कहा कि वैश्विक उठापटक को रोकने में सरकार ने बड़ी भूमिका निभाई है। सरकार ने महंगाई और ईंधन की कीमतों को काबू में किया हुआ है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ब्रिक्स और जी-7 देशों में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है, जो भारतीय नागरिकों के सकारात्मक आउटलुक की वजह है।

भोले बाबा के पास मोहिनी मंत्र, महिलाओं के साथ करते हैं रासलीला

कासगंज,(ईएमएस)। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र में सत्संग के दौरान मची भगदड़ के बाद से भोले बाबा उर्फ सूरजपाल को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एक महिला ने दावा किया है कि भोले बाबा के पास मोहित कर देने वाला मोहिनी मंत्र है, जिसके सम्मोहन में महिलाएं जकड़ जाती हैं। भोले बाबा के पड़ोसी गांव चक के लोगों ने ये राज फाश किया है, जिसे सुनकर लोग हैरान रह गए। जानकारी के मुताबिक बाबा के सत्संग में सबसे ज्यादा महिलाएं शामिल होती हैं, लेकिन वह क्यों होती है उसके बारे में एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। भोले बाबा के दरबार में महिलाएं रूपक बनकर आती थीं और बाबा उनके साथ नाचता था।

फ्रांस में संसदीय चुनाव में क्या पूर्ण बहुमत से दूर रह जाएगी आरएन

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस में संसदीय चुनाव में बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है। पहले चरण के संसदीय चुनाव के बाद मरीन ले पेन के नेतृत्व में देश की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली अपनी बढ़त से खुश दिख रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी इस बार तीसरे स्थान पर खिसक गई है। दक्षिणपथी पार्टी के इंस की राजनीति में दिख रहे वर्चस्व ने सत्ता की दहलीज तक पहुंचा दिया है। खुद मरीन ले पेन ने कहा कि मैक्रों ग्रुप का लगभग सफाया हो गया है।

हालांकि अब एक सर्वेक्षण में कहा गया हैं कि फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी आगामी संसदीय चुनावों में पूर्ण बहुमत से कम रहेगी। रविवार को हुए मतदान में आरएन ने 205-230 सीटें जीतीं, 145-175 सीटों के साथ वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और 130-162 सीटों के साथ राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के मध्यमार्गी ब्लॉक से आगे रहे। सत्तारूढ़ बहुमत के लिए नेशनल असेंबली में 289 सीटों की आवश्यकता है।

फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली की नेता मरीन ले पेन ने कहा कि उनका दल दूसरे दौर के चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद ही सरकार का नेतृत्व करेगा। जॉर्डन बार्डेला के नेतृत्व वाली पार्टी ने 30 जून को हुए संसदीय चुनाव के पहले दौर में सबसे ज्यादा मत हासिल किए थे, लेकिन उसे इतने वोट नहीं मिले थे कि वह जीत का दावा कर सके।

भारत बिल पेमेंट्स से जुड़ने बैंक मांग रहे 3 से 4 हफ्तों का समय

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले प्रमुख बैंक, जो थर्ड पार्टी के ऐप के जरिये क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान प्राप्त करने के लिए अभी तक भारत बिल पेमेंट्स सिस्टम (बीबीपीएस) के साथ नहीं जुड़े हैं, वह नियामक से इसके लिए और समय मांग रहे हैं।

जानकार सूत्रों ने कहा कि ऐसे बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से सक्रियण (एक्टिवेशन) प्रक्रिया पूरी करने के लिए 3 से 4 हफ्ते की अतिरिक्त मोहलत मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन इस मसले पर भारतीय रिजर्व बैंक से संपर्क कर रहा है। उन्होंने कहा कि बैंकों ने बीबीपीएस पर लाइव होने के लिए पहले से ही सिस्टम स्थापित कर दिया है और सभी बैंकों को जोड़ने की प्रक्रिया कुछ हफ्तों में पूरी कर ली जाएगी।

इस बारे में जानकारी के लिए आरबीआई और आईबीए को ईमेल किए मगर खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं आया। आरबीआई ने निर्देश दिया था कि क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान 1 जुलाई से बीबीपीएस के माध्यम से किया जाना चाहिए। मगर कुछ प्रमुख क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं ने अभी तक अपनी प्रणाली को इसके साथ नहीं जोड़ा है, जिससे क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि इससे ज्यादा व्यवधान नहीं हुआ है क्योंकि उपयोगकर्ताओं के पास अपने बकाये का भुगतान करने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। ऐसे बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से सक्रियण (एक्टिवेशन) प्रक्रिया पूरी करने के लिए 3 से 4 हफ्ते की अतिरिक्त मोहलत मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।फिलहाल थर्ड पार्टी के ऐप जैसे कि क्रेड, पेटीएम, फोनपे या एमेजॉन पे आदि पर उपयोगकर्ताओं द्वारा बिलों का भुगतान करने के बाद ये प्लेटफॉर्म एनईएफटी, आरटीजीएस या अन्य भुगतान विधियों का उपयोग कर क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं को धनराशि हस्तांतरित करते हैं। मगर जब सभी क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता और तीसरे पक्ष के ऐप अपने सिस्टम को बीबीपीएस प्लेटफॉर्म के साथ जोड़ लेंगे तो ये ऐप बीबीपीएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से बैंकों के साथ भुगतान का निपटान करने में सक्षम होंगे।

रूस ने जंग के बीच मोबाइल न्यूक्लियर मिसाइल टेस्ट किया

रूस (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच महीनों से लड़ाई चल रही है, अब रूस ने मोबाइल न्यूक्लियर मिसाइल टेस्ट की है। इस मिसाइल की खास बात ये है कि ये मोबाइल बेस्ड मिसाइल है, इस ट्रक की मदद से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है।

रूस इसके पहले भी अपनी कई मिसाइल को टेस्ट कर चुका है। रूस ने हाल ही में कपुस्टिन यार रेंज से टॉप सीक्रेट इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) की टेस्टिंग की थी यह मिसाइल परमाणु हमला करने में कारगर है। इस मिसाइल का जोर रूस की सुरक्षा पर है, ये रूस की सुरक्षा को पुख्ता करने में मदद करेगी। ये एक सॉलिड फ्यूल मिसाइल है, इस मिसाइल को जमीन पर किसी चलती गाड़ी में तैनात किया जा सकता है।

वहीं राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देशों को बढ़ती भागीदारी पर चिंता जाहिर की थी। उनका कहना था कि अगर पश्चिमी देश इस युद्ध में शामिल होते हैं,

कर्नाटक कांग्रेस में अंदरूनी सियासी तूफान बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली। कर्नाटक में पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। तब वरिष्ठ नेता सिद्दरमैया और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर सामने आई खींचतान को बेशक हाईकमान ने दबाते हुए सिद्दरमैया को सीएम और शिवकुमार डिप्टी सीएम बना दिया, लेकिन उन छिपी दरारों से असंतोष लावा का रह-रहकर बाहर आ रहा है। अभी सरकार बने एक वर्ष ही हुआ है

आई एम सॉरी.........सुनक ने स्वीकारी हार, ब्रिटेन में लेबर पार्टी की बयार

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन चुनाव के लिए शुक्रवार को वोटों की गिनती जारी है। परिणामों के मुताबिक मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी प्रचंड जीत की ओर बढ़ रही है। शुरुआती नतीजों में लेबर पार्टी 390 सीटें जीत चुकी हैं, जबकि सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी अभी तक सिर्फ 99 सीटें ही जीत सकी है। अभी तक 650 में से 585 सीटों पर नतीजों की घोषणा हो चुकी है।

इस प्रचंड जीत के बाद किएर स्टार्मर ने कहा कि हम लोगों ने कर दिखाया। आपने इसी के लिए प्रचार किया था, आपने इसके लिए लड़ाई लड़ी थी। आपने इसके लिए वोट किया था और अब इसके नतीजे सभी के सामने हैं। अब से बदलाव की बयार शुरू हो गई है। ईमानदारी से कहूं ये बदली हुई लेबर पार्टी है, जो देश की सेवा के लिए तैयार है। वहीं ऋषि सुनक उत्तरी इंग्लैंड की अपनी संसदीय सीट जीत ली है।

ब्रिटेन चुनाव के नतीजों के बाद सुनक ने हार की जिम्मेदारी ली। सुनक ने आम चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बीच अपनी हार स्वीकार की है। उन्होंने इस हार की खुद जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं और स्टार्मर को जीत की बधाई देता हूं।

स्कॉटलैंड में भी लेबर पार्टी की प्रचंड जीत के आसार हैं। सूत्रों के मुताबिक, वहां लेबर पार्टी 30 से अधिक सीटें जीत सकती है। लेबर पार्टी के स्कॉटिश नेता अनस अनवर ने कहा कि हमें पूरा यकीन हैं कि हम स्कॉटलैंड में भी बहुमत हासिल करने वाले हैं।

लेबर पार्टी के नेता स्टार्मर ने कहा कि मतदाताओं ने फैसला सुना दिया है कि वे बदलाव के लिए तैयार हैं। स्टार्मर अपनी सीट पर भी चुनाव जीत गए हैं। इसके पहले वोटिंग खत्म होने के बाद एग्जिट पोल में भी लेबर पार्टी की प्रचंड जीत का अनुमान जताया गया था। पोल में स्टार्मर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी के 410 सीटें जीतने का दावा किया गया जबकि मौजूदा पीएम ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को महज 131 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया।

बहुमत के लिए क्या है आंकड़ा?

650 सांसदों वाले सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) में बहुमत की सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को 326 सीटों की आवश्यकता होती है।

एग्जिट पोल के अनुमान अगर वास्तविक नतीजों में तब्दील होते हैं, तब लेबर पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर सकती है और केर स्टार्मर ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। यूके में मतदान समाप्त होते ही वोटों की गिनती शुरू हो गई थी, लेकिन 650 सीटों वाली संसद में स्पष्ट विजेता कौन होगा यह सामने आने में कुछ घंटे लग सकते है।

कंजर्वेटिव पार्टी 14 वर्षों से सत्ता में काबिज

बता दें कि कंजर्वेटिव पार्टी पिछले 14 वर्षों से सत्ता में है। इस दौरान यूनाइटेड किंगडम ने 5 प्रधानमंत्री देख लिए। साल 2010 में हुए आम चुनावों में मिली कंजर्वेटिव्स को मिली जीत के बाद डेविड कैमरन पीएम बने थे। उसके बाद 2015 के यूके इलेक्शन में कंजर्वेटिव पार्टी को लगातार दूसरी बार जीत मिली और कैमरन फिर पीएम बने। लेकिन 2016 में उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। उनकी जगह कंजर्वेटिव्स ने टेरेसा मे को प्रधानमंत्री बनाया। वह 2019 तक इस पद पर रहीं। 2019 में बोरिस जॉनसन यूके के प्रधानमंत्री बने। फिर बीच में उन्हें पद छोड़ना पड़ा और लिज ट्रस प्रधानमंत्री बनीं। लेकिन वह सिर्फ 50 दिन ही पद पर रह सकीं। उनकी जगह ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बने।

भारत और ब्रिटेन दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दो साल से अधिक समय से प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। लेबर पार्टी की प्रचंड जीत से दोनों देशों के बीच एफटीए पर चल रही वार्ता के डायनामिक्स में बदलाव आ सकता है।

यूनाइटेड किंगडम- इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड से मिलकर बनता है और आम चुनाव इन सभी देशों पर लागू होते हैं। यूके में कुल 650 निर्वाचन क्षेत्र हैं, इनमें से 533 सीटें इंग्लैंड, 59 सीटें स्कॉटलैंड, 40 सीटों वेल्स और 18 सीटें उत्तरी आयरलैंड में पड़ती हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यूके के भीतर आने वाले प्रत्येक देश की अपनी सरकार भी होती है और वहां चुनाव होते हैं।

बुरी हार के बाद सुनक का बयान भी आया है। सुनक ने कहा मैंने जीत हासिल करने वाली लेबर पार्टी और उनके नेता कीर स्टारमर को बधाई के लिए फोन किया है। सुनक ने आज सत्ता शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से सभी पक्षों की सद्भावना के साथ नए हाथों में चली जाएगी। सुनक ने कहा कि मैं कई अच्छे, मेहनती उम्मीदवारों की हार की जिम्मेदारी लेता हूं, जो आज रात अपने अथक प्रयासों, अपने स्थानीय रिकॉर्ड और अपने समुदायों के प्रति समर्पण के बावजूद हार गए, जिसका मुझे खेद है।

केशव राव ने राज्य सभा से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस में शामिल होने के बाद के केशव राव ने राज्य सभा से इस्तीफा दे दिया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राव 2020 से तेलंगाना से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्यसभा सदस्य थे।

वह बुधवार को कांग्रेस में शामिल हुए और गुरुवार को संसद के उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। धनखड़ की ओर से शुक्रवार को उनका इस्तीफा स्वीकार करने के बाद राज्यसभा में उनकी सीट खाली हो गई है।

वित्त वर्ष २०२३-२४ में गुजरात ने हासिल किया ७.३ बिलियन डॉलर एफडीआई

गांधीनगर, ०५ जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने राज्य में कई उद्योग अनुकूल निर्णय व नीतियों को लागू किया है जिसका परिणाम यह हुआ है कि गुजरात ने लगातार तीन वित्त वर्ष यानी वित्त वर्ष २०२२ में २.७ बिलियन वित्त वर्ष २०२३ में ४.७ बिलियन और वित्त वर्ष २०२४ में ७.३ बिलियन का निवेश हासिल कर लगातार एक उत्तरोत्तर वृद्धि दर्शाई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी नए आंकड़ों के अनुसार गुजरात ने पिछले वित्त वर्ष में ४.७ बिलियन की तुलना में वित्त वर्ष २४ में ५५ प्रतिशत अधिक यानी २.६ बिलियन एफडीआई हासिल करते हुए एफडीआई प्रवाह में देश में सबसे अधिक ग्रोथ दिखाई है। गुजरात ने वित्त वर्ष २४ में ७.३ बिलियन डॉलर का नया प्रत्यक्ष विदेश निवेश हासिल करते हुए एफडीआई प्रवाह में कर्नाटक और दिल्ली को पछाड़कर दूसरा स्थान भी हासिल किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने राज्य में कई उद्योग अनुकूल निर्णय व नीतियों को लागू किया है जिसका परिणाम यह हुआ है कि गुजरात ने लगातार तीन वित्त वर्ष यानी वित्त वर्ष २०२२ में २.७ बिलियन, वित्त वर्ष २०२३ में ४.७ बिलियन और वित्त वर्ष २०२४ में ७.३ बिलियन का निवेश हासिल कर लगातार एक उत्तरोत्तर वृद्धि दर्शाई है।

गुजरात को लगातार मिल रहे स्वस्थ प्रवाह के बारे में गुजरात के उद्योग एवं खान विभाग के मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने बताया कि, 'माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदीजी के मार्गदर्शन में हमारे मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्य में निवेश और व्यापार के लिए स्टेट ऑफ दि आर्ट इन्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर इण्डस्ट्री फ्रेंडली पॉलिसीज तक हर संभव सुविधा की उपलब्धता हो। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों के कारण आज गुजरात सेमीकण्डक्टर और दूसरे बड़े सेक्टर्स में भी बड़े निवेश हासिल कर रहा है।'

गुजरात में एफडीआई प्रवाह के प्रमुख कारणों में अत्याधुनिक औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, उद्योग अनुकूल नीतियां, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस शामिल हैं। गिफ्ट सिटी, साणंदजीआईडीसी, धोलेरा सर और मांडल बेचराजी सर जैसे क्लस्टर-आधारित औद्योगिक एस्टेट्स भी इस एफडीआई प्रवाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि वित्त वर्ष २०२३-२४ में गुजरात ने मार्की प्रोजेक्ट्स जैसे कि सेमीकण्डक्टर सेक्टर में भारी निवेश हासिल किया है।

साथ ही, पिछले तीन सालों में क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों जैसे अक्षय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, और इलेक्ट्रॉनिक्स नीति के प्रभावी कार्यान्वयन ने भी एफडीआई प्रवाह को आकर्षित करने में सहायता की है। राज्य सरकार द्वारा नए प्लान्ट्स के लिए विभिन्न आर्थिक प्रोत्साहन, जमीन आवंटन में सरलता और पारदर्शिता, और लागत में कमी के प्रयासों ने भी गुजरात में एफडीआई प्रवाह को प्रोत्साहित किया है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी पहल वाइब्रेंट गुजरात ने भी राज्य में निवेश को लेकर एक बड़ी भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि इसी साल जनवरी में आयोजित आजादी के अमृत काल की पहली वाइब्रेंट समिट भी काफी सफल रही है।वित्त वर्ष २०२४ में १५.१ बिलियन के कुल एफडीआई प्रवाह के साथ महाराष्ट्र शीर्ष स्थान पर है, उसके बाद ७.३ बिलियन के साथ गुजरात दूसरे स्थान पर है। इसी क्रम में कर्नाटक, दिल्ली और तेलंगाना क्रमशः ६.६ बिलियन, ६.५ बिलियन और ३ बिलियन के एफडीआई प्रवाह के साथ तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

राजकोट गेम जोन और मोरबी ब्रिज हादसे के पीड़ितों के परिवार से मिलेंगे

अहमदाबाद, ०५ जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कल यानी कि शनिवार को गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वे राजकोट गेम जोन में हाल ही में हुई आग की घटना और मोरबी में ब्रिज हादसे के पीड़ितों के परिवार से बातचीत करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब हाल ही में उन्होंने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी थी कि कांग्रेस अगले गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी को हराएगी।

संसद में हिंदू धर्म पर बयान देने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने अहमदाबाद में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर हमला कर दिया था। इसके बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। झड़प में कई कांग्रेसी कार्यकर्ता घायल हो गए थे। राहुल गांधी इन कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगे।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने बताया कि कार्यकर्ताओं पर हमले के बाद हमने राहुल गांधी से गुजरात आने की अपील की थी। इससे पूरी पार्टी में मजबूत संदेश जाएगा और कार्यकर्ताओं को भरोसा मिलेगा कि बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में शीर्ष नेतृत्व उनके साथ है। राहुल गांधी को कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित भी करेंगे।

पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार गुजरात में कांग्रेस पार्टी २५ मई, २०२४ को राजकोट गेमिंग जोन में आग लगने की घटना के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग कर रही है, जिसमें ३३ लोगों की मौत हो गई थी और इससे पहले ३० अक्टूबर, २०२२ को मोरबी में मच्छू नदी पर सस्पेंशन ब्रिज गिरने की घटना में १४१ लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेसी नेताओं ने इन परिवारों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। जो भी राहुल गांधी से मिलना चाहेंगे, उन्हें अहमदाबाद लाने की व्यवस्था की जाएगी। हर साल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के एक दिन पहले गुजरात कांग्रेस के नेता रथ की पूजा करते हैं। रथयात्रा रविवार यानी कि ७ जुलाई को निकलेगी। ऐसे में राहुल गांधी रथ की पूजा करने के लिए जगन्नाथ मंदिर जाएंगे। इसके अलावा पांच कांग्रेसी कार्यकर्ता एलिसब्रिज पुलिस की हिरासत में हैं। राहुल गांधी पुलिस स्टेशन में उनसे भी मुलाकात कर सकते हैं।

उत्तर-दक्षिण गुजरात में भारी बारिश का अनुमान, ऑरेंज एलर्ट

अहमदाबाद, ०५ जुलाई। गुजरात के मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है, जिसके मुताबिक गुजरात के तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसके चलते अगले ५ दिनों तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिणी हिस्से के तटीय इलाकों में ३५ से ४५ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है, जो ५५ किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके अलावा राज्य के दक्षिणी हिस्से में साइक्लोनिक सिस्टम एक्टिव होने के चलते उत्तर और दक्षिण गुजरात के १६ जिलों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार (रथयात्रा वाले दिन) को अहमदाबाद में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही उत्तर और दक्षिण गुजरात में ऑरेंज अलर्ट, मध्य गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, वलसाड, नवसारी, दमन, दादरा और नगर-हवेली।

अहमदाबाद, गांधीनगर, पाटण, महेसाणा, आणंद, खेड़ा, वडोदरा, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, बोटाद, अमरेली और भावनगर। जूनागढ़ जिले में बारिश के कारण १० से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं। मूसलाधार बारिश के बाद घेड़ पंथक में ओजत नदी पर १.३६ करोड़ की लागत से बना तटबंध टूटने से सैकड़ों एकड़ के खेतों की फसलें चौपट हो गई हैं। कई गांवों में घरों में पानी भर गया है। माढ़ा, जोनपुर, मूलासिया गांव के किसानों ने मूंगफली व चारा खराब हो जाने पर सहायता राशि देने की मांग की है। सूरत में जारी भारी बारिश से सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं। नवसारी और वलसाड समेत कई शहरों में भी यही हाल है। शुक्रवार सुबह ६ बजे से शाम ४ बजे तक राज्य के ११० तालुका में बारिश दर्ज की गई है, जिसमें सूरत के उमरपाड़ा में चार इंच बारिश दर्ज की गई है।

महिसागर जिले में पिछले २४ घंटों से अधिकांश इलाकों में हल्की बारिश हो रही है। गुरुवार सुबह ६ बजे से आज सुबह ६ बजे तक बारिश का जो आंकड़ा दर्ज किया गया है। उसमें कडाणा तालुका में आधा इंच, खानपुर में ढाई इंच, बालासिनोर में १ इंच, लूनावाडा में आधा इंच से ज्यादा, जबकि संतरामपुर में ७ मिमी और वीरपुर में ११ मिमी बारिश दर्ज की गई है।

24 घंटों में गुजरात की 141 तहसीलों में बारिश, बनासकांठा के दांता में 8 इंच

अहमदाबाद (ईएमएस) बीते 24 घंटों के दौरान गुजरात की 141 तहसीलों में अच्छी बारिश हुई है। खासकर उत्तर गुजरात के दांता में केवल 4 घंटों के भीतर 8 इंच बारिश दर्ज हुई। शुक्रवार की सुबह से राज्य की कई तहसीलों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के भीतर राज्य की 141 तहसीलों में बारिश हुई है। सबसे अधिक बनासकांठा जिले की दांता तहसील में 8.1 इंच बारिश दर्ज हुई। जबकि वडगाम में 4 इंच, कडाणा में 3.4 इंच और सहेरा में 2.9 इंच बारिश हुई। दांता में केवल 4 घंटों में 8 इंच से अधिक बारिश होने से कई नदियां पुनर्जीवित हो गई। काफी समय से सूखी पड़ी इन नदियों में नई जलराशि आने से किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कई जगह खेतों में पानी भर जाने से कृषि फसलों को नुकसान की आशंका है। जिन किसानों ने महंगे बीज लेकर बुवाई की थी, वह अब चिंता में नजर आ रहे हैं। इस बीच स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक आज शुक्रवार को राज्य में भारी बारिश की संभावना है। खासकर बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, साबरकांठी, गांधीनगर, नर्मदा, सूरत, नवसारी, वलसाड, दमण, दादरा नगर हेली में भारी बारिश को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार को भी गुजरात के सभी जिलों में हलके से सामान्य बारिश का पूर्वानुमान है। गुजरात में बारिश होने की चार सिस्टम सक्रिय है। दक्षिण सौराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में और राजस्थान की ओर सायक्लोनिक सर्क्युलेशन सक्रिय है। इसके अलावा दक्षिण गुजरात से कर्नाटक तक ऑफ शोर ट्रूफ और कच्छ के निकट पाकिस्तान में सायक्लोनिक सर्क्युलेशन सक्रिय है। इन चार सिस्टम के चलते गुजरात में भारी से अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। आगामी 5 दिनों के दौरान राजकोट, जामनगर, अमरेली, भावनगर, मोरबी, जूनागढ़ में अतिभारी बारिश होगी। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए मछुआरों को अगले 5 दिनों तक समुद्र में नहीं जाने की हिदायत दी गई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री आज गुजरात आएंगे, रथयात्रा के दिन सपरिवार मंगला आरती में शामिल होंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को गुजरात आएंगे। गुजरात यात्रा के दौरान अमित शाह गांधीनगर में आयोजित सहकारिता कार्यक्रम में शामिल हैं। शनिवार की शाम अहमदाबाद स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में दर्शन करेंगे। रविवार की सुबह अमित शाह सपरिवार भगवान जगन्नाथ जी की मंगला आरती में शामिल होंगे। 102वें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग दिवस के अवसर पर कल देश में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का सहयोग से समृद्धि कार्यक्रम का केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजन किया गया है। सहकारिता से समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तीन साल पहले देश में पहली बार अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया था और केंद्रीय गृह मंत्री अमित भाई शाह को इस मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। देश में सहकारिता मंत्रालय के तीन सफल वर्षों के अवसर पर गुजरात में पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का सहयोग कार्यक्रम मनाया जाएगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सहकारी समितियों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से विभिन्न 17 भाषाओं में मॉडल उपनियम तैयार किए हैं। जिसके परिणामस्वरूप देश के सभी राज्यों ने सहकारी क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये हैं। इस कार्यक्रम में 5,000 से अधिक प्राथमिक से शीर्ष निकाय के सदस्य, 200 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के सहकारी प्रतिनिधि, दुग्ध समितियां, संघ, सहकारी बैंक, एपीएमसी और गुजरात सहित विभिन्न सहकारी क्षेत्रों से जुड़े अन्य संगठन भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के बाद अमित शाह शाम को भगवान जगन्नाथ मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजा गया प्रसाद मंदिर को समर्पित करेंगे और शाम की आरती करेंगे। आषाढ़ी दूज यानी रथयात्रा की सुबह मंगला आरती में भी वे सपरिवार उपस्थित रहेंगे। दोपहर बाद अमित शाह दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

10 माह की बच्ची के अपहरण के मामले में दंपत्ति समेत 4 आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के कालूपुर मेट्रो स्टेशन के निकट फूटपाथ पर सो रही महिला की 10 महीने की बच्ची के अपहरण के मामले में शहरकोटडा पुलिस ने दंपत्ति समेत 4 आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया दंपत्ति निःसंतान है और संभवतः उसने संतान सुख की प्राप्ति के लिए बच्ची का अपहरण किया है। फिलहाल पुलिस ने सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के कालूपुर मेट्रो स्टेशन के निकट फूटपाथ पर गत 30 जून को रुकसाना बानु नामक महिला अपनी 10 महीने की बच्ची के साथ सो रही थी। उस वक्त एक दंपत्ति समेत चार लोगों ने मासूम बच्ची का अपहरण कर लिया था। अहमदाबाद की शहरकोटडा पुलिस ने मामला दर्ज कर अलग अलग टीमें बनाकर जांच शुरू कर दी। इसके अंतर्गत कालूपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म के निकट लगे सीसीटीवी चैक करने पर अज्ञात महिला और पुरुष बच्ची को ले जाते दिखाई दिए। सीसीटीवी और टेकनिकल जानकारी के मुताबिक आरोपी राजस्थान की काशीगुडा लालगढ़ एक्सप्रेस में गए होने का खुलासा हुआ। जिसके आधार पुलिस ने राजस्थान से राहुल माली और उसकी पत्नी कविता माली के अलावा पूनम सोलंकी और रूबिना बानु पठान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी कालूपुर रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 12 के निकट पर फूटपाथ पर रहते थे। राहुल माली और कविता माली के कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपहरण की साजिश रची थी और इसमें पूनम सोलंकी और रूबिना पठान को भी शामिल कर लिया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि राहुल माली के खिलाफ जयपुर में चोरी का केस दर्ज है और उसमें वह वांटेड है। फिलहाल पकड़े गए सभी आरोपी संतान सुख के लिए बच्ची का अपहरण किया होने का रट्टा लगा रहे हैं। ऐसे में शहरकोटडा पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह से जुड़े होने समेत विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच शुरू की है।

राहुल गांधी के गुजरात जीतने के बयान से बौखलाई भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय पर हमला किया : शक्तिसिंह

- राहुल गांधी आज गुजरात आएंगे, अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ता और पीड़ित परिवारों से मिलेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के गुजरात जीतने बयान से भाजपा इस कदर बौखला गई कि उसने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर कायरतापूर्ण हमला किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा में देवों के देव भगवान शिव के दर्शन और हिंदुत्व की बेहतरीन प्रस्तुति करने वाले राहुल गांधी गुजरात में भी कांग्रेस की जीत कराने जा रहे हैं। इससे भाजपा को गुस्सा आ गया और कांग्रेस कार्यालय पर कायरतापूर्ण हमला किया और कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की।

भाजपा के साथ यह हमेशा एक वैचारिक लड़ाई रही है जिसमें पूरी तरह से गुंडागर्दी के लिए कोई जगह नहीं है। गुजरात की परंपरा को बीजेपी के गुंडों ने खराब कर दिया है। कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा के गुंडों के हमले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शेरों की तरह कार्यालय का बचाव किया। राहुल गांधी के एक दिवसीय गुजरात दौरे की जानकारी देते हुए शक्तिसिंह गोहिल बताया कि 6 जुलाई को राहुल गांधी जी दोपहर 12-30 बजे राजीव गांधी भवन आएंगे। पूरे गुजरात से आए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और संबोधित करेंगे। जेल में बंद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिवारों से भी राहुल गांधी मिलेंगे। गुजरात में विभिन्न त्रासदियों के पीड़ितों के परिवार भी राहुल गांधी से मिलेंगे। यदि भाजपा किसी पुलिस अधिकारी का दुरुपयोग करती है तो हमारे पास उसे व्यक्तिगत समस्याएं झेलने की सर्वोच्च शक्ति है। इसीलिए कांग्रेस बार-बार कह रही है कि पुलिस अधिकारी भाजपा के बहकावे में न आएं। साथ ही मैं सभी हिंदू भाइयों और बहनों से अपील करता हूं कि संसद में राहुल गांधी का भाषण देश हित में है और इसे पूरा सुनें। साथ ही भाजपा को डर और भ्रम फैलाना बंद करना चाहिए।

एसएमसी की समा क्षेत्र में खुलेआम चल रहे शराब के अड्डे पर रेड

वडोदरा (ईएमएस) शहर के समा इलाके में खुलेआम चल रहे शराब अड्डे पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) की ओर से छापेमारी की गई है। इस छापेमारी में शराब की सप्लाई करने वाला तस्कर लाला गिरफ्तार कर लिया गया है। एसएमसी की कार्यवाही से पता चलता है कि स्थानीय पुलिस शराब तस्करी को लेकर कितनी सक्रिय है। एसएमसी की कार्यवाही के बाद शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है। वैसे तो गुजरात में कहने को शराबबंदी है और इसका अमलीकरण कैसे करना है, यह भी सभी को पता है। इसके बावजूद राज्य में आए दिन बड़ी मात्रा में देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है।

वेरावल-ओखा एक्सप्रेस ट्रेन 8 जुलाई तक के लिए पुनः रिशेडयूल की गई

राजकोट, 5 जुलाई, तकनीकी कारणों के चलते पश्चिम रेलवे द्वारा वेरावल-ओखा एक्सप्रेस ट्रेन (19251) को तत्काल प्रभाव से लेकर 8 जुलाई, 2024 तक के लिए पुनः रिशेडयूल करने का निर्णय लिया गया है। विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन नं 19251 वेरावल-ओखा एक्सप्रेस तत्काल प्रभाव से लेकर 08.07.2024 तक परिवर्तित मार्ग वाया जेतलसर-वांसजालिया-कानालुस होकर चलेगी। इस अवधि के दौरान यह ट्रेन वेरावल से अपने निर्धारित समय से 2 घंटा 55 मिनट विलम्ब से यानि 02.00 बजे प्रस्थान करेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिएै.हल्म्बिर्ग्र्हीहग्तुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

गुजरात पुलिस के हत्थे चढ़ा वीआईपी चोर, कई राज्यों की पुलिस कर रही थी तलाश

वलसाड (ईएमएस) दक्षिण गुजरात के वापी से वलसाड एलसीबी ने एक वीआईपी चोर को दबोच लिया है, जिसकी देश की आधा दर्जन राज्यों की तलाश थी। गिरफ्तार शातिर शख्स चोरी करने फ्लाइट में जाता था और घटना को अंजाम देकर रात ही अपने घर लौट आता था। ऑडी कार में घूमने वाला शख्स जिस शहर में चोरी करने जाता वहां की फाइव स्टार होटल में ठहरता था। वलसाड एलसीबी के हत्थे चढ़े चोर की पूछताछ में देश के विभिन्न राज्यों के 27 जितने मामलों का खुलासा हुआ है। मुंबई के मुंब्रा क्षेत्र में एक करोड़ कीमत के किराये के घर में रहनेवाला रोहित दया सोलंकी उर्फ रोहित चेतन शेट्टी उर्फ अरहान शेट्टी को वलसाड की एलसीबी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वलसाड के वापी में घरफोड़ चोरी के मामले में रोहित के गिरफ्तार होने के बाद उसकी पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस ने आरोपी के पास एक चमचमाती ऑडी कार, सोने-चांदी के आभूषण, नकद समेत कुल रु. 12 लाख का माल-सामान जब्त किया है। रोहित चोरी के लिए उस शहर को चुनता जहां एयरपोर्ट हो या आसपास हो। चोरी करने के लिए फ्लाइट में जानेवाला रोहित शहर की पांच सितारा होटल में ठहरता था और दिन के दौरान पॉश इलाकों की रेकी करता और रात को चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद उसी रात फ्लाइट में अपने घर लौट आता। इस प्रकार रोहित अब तक गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली समेत देश के आधा दर्जन जितने राज्यों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। इन राज्यों की पुलिस को रोहित की तलाश है। वलसाड पुलिस की पूछताछ में पता चला कि रोहित ने एक मुस्लिम युवती के साथ शादी की थी और उसके साथ ठाठ से जिंदगी गुजार रहा था।

गुजरात समेत कई राज्यों में आतंक मचाते गिरोह के 3 शख्स गिरफ्तार, कई मामलों का खुलासा

जामनगर (ईएमएस) गुजरात समेत कई राज्यों में लूट, डकैती, अपहरण, वाहन चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देनेवाले आंतरराज्यीय गिरोह के 3 आरोपियों को जामनगर एलसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में 28 जितने मामलों का खुलासा हुआ है। जांच में यह भी पता चला कि आंतरराज्यीय गिरोह किसी भी घटना को अंजाम देने से पहले रील्स बनाता था। जानकारी के मुताबिक जामनगर एलसीबी ने गुजरात समेत मध्य प्रदेश और राजस्थान में लूट, डकैती, घरफोड़ चोरी, अपहरण और वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देनेवाले आंतरराज्यीय गिरोह के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मध्य प्रदेश के धार जिले की कुक्षी तहसील के घोटियादेव गांव निवासी 23 वर्षीय राजु उर्फ गुडिया सुमल पंचाल नामक शख्स ने 15 से अधिक लोगों को लेकर एक गिरोह बनाया था। राजु उर्फ गुडिया का यह गिरोह गुजरात समेत अन्य राज्यों में आपराधिक वारदातों को अंजाम देता था। जामनगर एलसीबी पूर्व सूचना के आधार पर शहर के बेडीबंदर रोड स्थित महाकाली सर्कल पर निगरानी कर रही थी। उस वक्त काले रंग की नई अर्टिगा कार देख एलसीबी ने उसे रोक लिया और उसमें सवार 23 वर्षीय राजु उर्फ गुडिया पंचाल, 19 वर्षीय दीपक सुमल पंचाल और 20 वर्षीय प्रभु जवरसिंह बघेल को किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले ही दबोच लिया। साथ ही रु. 12 लाख कीमत की नई अर्टिगा कार, रु. 1.06 नकद, दो मोबाइल समेत कुल रु. 1316000 का माल-सामान जब्त कर लिया। पूछताछ में 28 जितने मामलों का खुलासा हुआ है। जिसें जामनगर में एयरफोर्स स्टेशन, सिक्का टीपीएस कॉलोनी के अलावा जामनगर जिले के इलाकों के 9, देवभूमि द्वारका जिले के 7, कच्छ के भुज के 4, राजकोट के 2 और मध्य प्रदेश के धार जिले के 2 समेत कुल 28 मामले शामिल हैं।

भारतीय रेलवे के गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा और एयरबस ने एयरोस्पेस शिक्षण और अनुसंधान के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

विशेष रूप से परिवहन और लॉजिस्टिक सेक्टर पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, जीएसवी ''अपनी तरह का पहला'' विश्वविद्यालय है जिसका लक्ष्य रेलवे, विमानन, शिपिंग, बंदरगाहों, राजमार्गों, सड़कों और जलमार्गों में राष्ट्रीय विकास योजनाओं का कार्य पूरा करना है

भारतीय रेलवे के गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा और एयरबस ने आज भारतीय विमानन क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने के लिए सहयोग किया। सितम्बर 2023 में हस्ताक्षरित एमओयू (समझौता ज्ञापन) में आगे का कार्य करते हुए, श्री रेमी मेलार्ड (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया) और प्रो. मनोज चौधरी (कुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय) के बीच रेल भवन, नई दिल्ली में एक निर्णायक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते पर रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, जो गति शक्ति विश्वविद्यालय के प्रथम कुलाधिपति भी हैं, नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू, रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ सुश्री जया वर्मा सिन्हा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय में सचिव श्री वमलुनमंग वुलनम और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते में पूरे कार्यक्रम के दौरान जीएसवी के 40 छात्रों के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जीएसवी में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना और जीएसवी में एयरबस एविएशन चेयर प्रोफेसर पद की स्थापना शामिल है। इसके अलावा, जीएसवी और एयरबस विमानन क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के विशेष प्रशिक्षण के लिए साझेदारी करेंगे।

इस अवसर पर, श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ठआज समझौता ज्ञापन से वास्तविक कार्य के रूपांतरण का दिन है। जीएसवी और एयरबस को बधाई। जो भी वादा किया गया है, उसे पूरा किया गया है, यह प्रधानमंत्री मोदी जी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं, सबका साथ सबका विकास की भावना में, विमानन, राजमार्ग, रेलवे, सड़क परिवहन का विकास होना चाहिए। व्यावहारिक रूप से, सब कुछ एक साथ चलना चाहिए। हम सबका साथ, सबका विकास की भावना से सभी के साथ सहयोग करते रहेंगे। जीएसवी की स्थापना का कारण एक केन्द्रित और विशिष्ट संस्थान था जो परिवहन के सभी क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता हो, हमने रेलवे से शुरुआत की, हम धीरे-धीरे विनिर्माण की ओर बढ़े, अगला क्षेत्र जिसमें हम आगे बढ़े वह नागरिक उड्डयन है,

अषाढी दूज से अंबाजी मंदिर में आरती और दर्शन के समय में होगा बदलाव

अहमदाबाद (ईएमएस) 52 शक्तिपीठों में से एक उत्तर गुजरात स्थित शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर में अषाढी दूज यानी रविवार, 7 जुलाई 2024 से आरती और दर्शन के समय में बदलाव होगा। रविवार से मंदिर में दोपहर को होनेवाली आरती बंद होगी, लेकिन देवी माता के दर्शन का समय बढ़ जाएगा। अंबाजी मंदिर के महाराज भरतभाई के मुताबिक मंदिर में प्रणालिका के मुताबिक और सूर्योदय व सूर्यास्त के समय में फेरबदल होने से आरती और दर्शन के समय में 7 जुलाई से बदलाव होगा। ताकि अंबाजी आनेवाले लाखों श्रद्धालु सुविधा और सरलता से देवी माता के दर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि 7 जुलाई यानी अषाढी दूज से दर्शन और आरती के समय में बदलाव होगा। अब तक मंदिर में तीन दफा आरती होती, जो 7 जुलाई से दिन में केवल दो बार होगी। दोपहर की आरती बंद होगी। 7 जुलाई से मंदिर में दर्शन का समय बढ़ जाएगा। सुबह फिलहाल 10.45 बजे मंदिर बंद होता जो रविवार से 11.30 बजे तक खुला रहेगा, ताकि श्रद्धालु दर्शन कर सकें। सातों दिन देवी माता की सवारी के दर्शन सुबह 10.45 बजे तक होते वह अब शाम 4.30 बजे तक श्रद्धालु कर सकेंगे। अंबाजी मंदिर में 7 जुलाई से आरती का समय सुबह 7.30 बजे से सुबह 8.00 बजे तक। दर्शन सुबह 8 बजे से सुबह 11.30 बजे तक, दोपहर के दर्शन 12.30 बजे से 16.30 बजे तक, सायंकाल की आरती का समय 7 बजे से 7.30 बजे तक रहेगा। 7.30 बजे से लेकर दर्शन के लिए मंदिर रात 9 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। बता दें कि सूर्यास्त और सूर्योदय के अनुसार साल के निश्चित समय पर अंबाजी मंदिर के दर्शन और आरती के समय में बदलाव किया जाता है। यह जानकारी मंदिर प्रशासन द्वारा इसलिए जारी की गई है ताकि श्रद्धालुओं को मंदिर में किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) और इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) ने मोबिलिटी इंजीनियरिंग लैब स्थापित करने के लिए गठजोड़ किया

बैंगलोर, 3 जुलाई 2024: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज यह घोषणा की कि क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए उसने मोबिलिटी इंजीनियरिंग लैब (प्रयोगशाला) की स्थापना के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ गठजोड़ किया है। इसके तहत कंपनी प्रयोगशाला की स्थापना में सहायता करेगी। उद्योग और शिक्षा जगत के सहयोग से वांछित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता को समझते हुए टीकेएम ने आईआईएससी की इस अग्रणी पहल को समर्थन देने का निर्णय किया है।

वित्त वर्ष 2024 से 2027 तक, टीकेएम मोबिलिटी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला की स्थापना और आवश्यक उपकरण तथा बुनियादी ढांचे, जैसे हाई-स्पीड डायनेमोमीटर, बैटरी एमुलेटर, ऑटोमेशन और कंट्रोल सिस्टम, व्हेकिल सिमुलेशन सॉफ्टवेयर और मोटर व इंजन के लिए माउंटिंग हार्डवेयर की खरीद का समर्थन करेगी।

आईआईएससी के निदेशक प्रोफेसर जी रंगराजन ने कहा, ठहमें मोबिलिटी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए टीकेएम के साथ हाथ मिलाकर खुशी हो रही है। यह सुविधा हमारे छात्रों और शोधकर्ताओं को ऑटोमोटिव उद्योग में उत्सर्जन में कमी और ऊर्जा दक्षता सहित महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण और बुनियादी ढाँचा प्रदान करेगी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और मुख्य संचार अधिकारी श्री सुदीप दलवी ने कहा, ''हमें शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता के पर्याय आईआईएससी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है।

महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने 40 लाख ट्रैक्टर की डिलीवरी और अपनी विरासत के 60 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'देश का ट्रैक्टर' लॉन्च कर भारतीय किसानों को सम्मानित किया

मुंबई, 04 जुलाई, 2024- देश के नंबर वन ट्रैक्टर ब्रांड और महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) में कृषि उपकरण क्षेत्र की इकाई महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने आज एक विशेष कैम्पेन 'देश का ट्रैक्टर - मिट्टी से जुड़ा, जुनून से सजा' लॉन्च किया। यह कैम्पेन महिंद्रा ट्रैक्टर के 60 साल पूरे होने और 1963 से अब तक 40 लाख ट्रैक्टर यूनिट की बिक्री का जश्न मनाते हुए लॉन्च किया गया है। यह कैम्पेन भारतीय कृषक समुदाय के सम्मान में एक अनूठी पहल है।

देश के परिश्रमी कृषक समुदाय के योगदान को याद करते हुए महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने एक आदमकद ट्रैक्टर-थीम वाली मूर्ति प्रदर्शित की, जो कृषक समुदाय की दृढ़ता की भावना को दर्शाती है। यह मूर्ति महिंद्रा के प्रसिद्ध 'युवो टेक प्लस' ट्रैक्टर के डिजाइन से प्रेरित है। अभिनव और कल्पनाशील, यह मूर्ति भारतीय खेती की विविधता को दर्शाती है और देश भर के 4000 से अधिक खेतों से एकत्रित विभिन्न मिट्टियों के मिश्रण से तैयार की गई है, जो महिंद्रा और भारतीय किसानों के बीच मौजूद मजबूत बंधन को दर्शाती है।

'मिट्टी से जुड़ा जुनून से सजा' कैम्पेन का सार, महिंद्रा ट्रैक्टर्स की भावना को दर्शाता है जो जमीन से जुड़े कृषि समाधान तैयार करता है। ये ऐसे सॉल्यूशंस हैं, जिनकी सहायता से सभी प्रकार के इलाकों में कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम किया जा सकता है। यह पिछले 60 वर्षों और उससे भी अधिक समय से भारत और दुनिया भर में खेती को बदलने और जीवन को समृद्ध बनाने के महिंद्रा के 'जुनून' का प्रतीक है।

कंपनी के नागपुर विनिर्माण सुविधा में आयोजित एक समारोह में आज महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म डिवीजन के सीईओ श्री विक्रम वाघ की उपस्थिति में मूर्ति का अनावरण किया गया। श्री वाघ ने इस पहल को लॉन्च करने के महत्व की चर्चा करते हुए कहा, ''आज हम 60 वर्षों में 40 लाख ग्राहकों की सेवा करने की इस उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं और इस अवसर पर हम किसानों के भरोसे के प्रति आभार जाहिर करना चाहते हैं,

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95